मनेन्द्रगढ़
15 नवंबर 2025 शनिवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

अक्षर पटेल का ट्रोल्स...
@ पेज 7

जीता महिलाओं का विश्वास , एक बार फिर एनडीए सरकार

दरभंगा जिले में एनडीए का क्लीन स्वीप:अलीनगर से मैथिली ठाकुर जीतीं; नगर सीट से मंत्री संजय सरावगी और जाले से जीवेश कुमार जीते

पटना, (एजेंसी)। बिहार चुनाव के नतीजे लगभग साफ हो गए हैं। 243 सीटों के परिणाम में एनडीए ने क्लीन स्वीप कर लिया है। बिहार के मतदाताओं ने अबकी एनडीए को रिकॉर्ड जीत दी है। एनडीए को 2020 के मुकाबले 65 से ज्यादा सीटों का फायदा हो रहा है, वहीं महागठबंधन को लगभग इतनी ही सीटों का नुकसान हो रहा है। पिछली बार 43 सीटों पर सिमटी जेडीयू इस बार 75+ पहुंच गई है। यानी नीतिश कुमार 10वीं बार सीएम पद की शपथ ले सकते हैं। वहीं 96 सीटों पर बढ़त के साथ बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। महागठबंधन में राजद 24 सीटों पर लीड लिए हुए है, जबकि 61 सीटों पर लड़ रही कांग्रेस सिर्फ 1 सीटों पर सिमट गई है। 243 सीटों पर लड़ रही प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज का खाता खुलता नहीं दिख रहा है। मुकेश सहनी की पार्टी का भी फिलहाल खाता नहीं खुला है। बड़े चेहरों की बात करें तो राघोपुर से तेजस्वी यादव पीछे चल रहे हैं। उनके बड़े भाई तेजप्रताप भी महुआ से पीछे चल रहे हैं। सम्राट चौधरी तारापुर से लीड कर रहे हैं। पवन सिंह की पत्नी काराकाट से लगातार पीछे चल रही हैं। निर्दलीय समेत अन्य 5 सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं।

सीएम नीतीश कुमार बोले- बिहार की जनता का धन्यवाद

NDA की जीत के बाद नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा कि बिहार विधान सभा चुनाव-2025 में राज्यवासियों ने हमें भारी बहुमत देकर हमारी सरकार के प्रति विश्वास जताया है। इसके लिए राज्य के सभी सम्मानित मतदाताओं को मेरा नमन, हृदय से आभार एवं धन्यवाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को उनसे मिले सहयोग के लिए उनका नमन करते हुए हृदय से आभार एवं धन्यवाद। एनडीए गठबंधन ने इस चुनाव में पूरी एकजुटता दिखाते हुए भारी बहुमत हासिल किया है। इस भारी जीत के लिए एनडीए गठबंधन के सभी साथियों का भी आभार। आप सबके सहयोग से बिहार और आगे बढ़ेगा तथा बिहार देश के सबसे ज्यादा विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा।

नीतीश सरकार के 21 मंत्रियों ने दर्ज की जीत, जानें लिस्ट में कौन से नेता शामिल

एनडीए को मिली इस जीत में कम से कम 21 मंत्रियों ने जीत दर्ज की है। इनमें प्रेम कुमार, महेश्वर हजारी और संजय सरावगी और अन्य मंत्री शामिल हैं। नीतीश कुमार की सरकार में कृषि मंत्री रहे भाजपा नेता प्रेम कुमार ने गया शहर पर 1990 से लगातार जीत के अपने रिकॉर्ड को कायम रखा है। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी अखौरी ओंकार नाथ को 26 हजार वोटों से शिकस्त दी। तारापुर से पहली बार चुनाव लड़ रहे बिहार उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी लगातार बढ़त बनाए हुए हैं। राजद के प्रत्याशी अरुण कुमार पर सम्राट चौधरी ने 45 हजार से ज्यादा वोटों की बढ़त बना रखी है।

बाहुबलियों की सीट

जेल से जीते अनंत, रीतलाल हारे

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आज आएंगे। सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू है। मोकामा से जदयू प्रत्याशी अनंत सिंह और कुचायकोट से जदयू प्रत्याशी अमरेंद्र पांडे रिकॉर्ड वोट से जीत गए है। दानापुर से लगातार आगे चल रहे बाहुबली रीतलाल पिछड़ गए हैं। अब बीजेपी के कैंडिडेट रामकृपाल यादव ने बढ़त बना ली है। वहीं तरारी से बीजेपी कैंडिडेट विशाल प्रशांत और रघुनाथपुर से ओसामा आगे चल रहे हैं। लालगंज से राजद प्रत्याशी शिवानी शुक्ला पीछे हैं। वहीं, ब्रह्मपुर से लोजपा(आर) प्रत्याशी हुलास पांडे आगे है। सबसे दिलचस्प मुकाबला मोकामा में है। यहां अनंत सिंह का मुकाबला सूरजभान सिंह की पत्नी वीणा देवी से हैं। अनंत सिंह के समर्थकों ने पोस्टर लगाए हैं, जिसपर लिखा है- जेल का ताला टूटेगा, मेरा शेर छूटेगा। वहीं, छोटे सरकार के घर पर भोज शुरू हो गया है। विधानसभा के 243 सीटों में 15 सीटें ऐसी हैं, जिन पर खुद बाहुबली या उनके परिवार का कोई सदस्य चुनाव लड़ रहा है।

एनडीए की बंपर जीत पर अमित शाह बोले- राहुल गांधी के नेतृत्व में आखिरी पायदान पर पहुंची कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी बिहार चुनाव के नतीजों पर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, बिहार की जनता ने पूरे देश का मूड बता दिया है कि मतदाता सूची शुद्धिकरण अनिवार्य है और इसके खिलाफ राजनीति की कोई जगह नहीं है। इसीलिए राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस आज बिहार में आखिरी पायदान पर आ गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह विकसित बिहार में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत है। उन्होंने कहा कि जंगलराज और तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले किसी भी भेष में आएं, उन्हें लूटने का मौका नहीं मिलेगा।

थरूर बोले- कांग्रेस पहले से ज्यादा वामपंथी रुख अपना रही

ये एक रणनीतिक कदम हो सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को कहा कि पार्टी पिछले कुछ सालों में पहले से ज्यादा वामपंथी रुख अपनाने लगी है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव BJP की विभाजनकारी राजनीति का जवाब देने के लिए एक तरह की रणनीतिक कदम माना जा सकता है।थरूर हैदराबाद में गुरुवार को आयोजित ज्योति कोमिरेड्डी मेमोरियल लेक्चर में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि मनमोहन सिंह के दौर में कांग्रेस का झुकाव ज्यादा सेंटर में था और वह कई नीतियां पिछली BJP सरकार से भी लेती थी।

150 की स्पीड से खाई में गिरी कार...5 मौत

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में एक कार बेकाबू होकर खाई में गिर गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है। इनमें 15 साल का बच्चा और 60 साल के बुजुर्ग शामिल हैं। हादसा सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है।

एक्सीडेंट रतलाम जिले के रावटी थाना अंतर्गत भीमपुरा गांव के पास माही नदी ब्रिज के पहले हुआ। सुबह करीब साढ़े 7 बजे स्ना03 श्नरु1388 रजिस्ट्रेशन नंबर की महिंद्रा XUV 700 दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर रेलिंग तोड़कर नीचे जा गिरी।

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड: हिमाचल और कश्मीर में जमने लगी धरती

राजस्थान-बंगाल में भी पारा सामान्य से नीचे

शिमला/श्रीनगर/जयपुर/कोलकाता, एजेंसी। उत्तर भारत के कई राज्यों में सर्दी ने रफ्तार पकड़ ली है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में शीतलहर का प्रकोप बढ़ गया है, जबकि राजस्थान और पश्चिम बंगाल में तापमान सामान्य से नीचे चला गया है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट की चेतावनी दी है। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी की भी संभावना बनी हुई है, जबकि मैदानी इलाकों में सुबह-शाम ठंडक बढ़ेगी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार नवंबर के मध्य से दिसंबर के आरंभ तक उत्तर भारत में शीतलहर की स्थिति और तीव्र हो सकती है।

हिमाचल प्रदेश में ठंड ने पहाड़ों और घाटियों दोनों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। लाहौल-स्पीति के ताबो में इस मौसम की सबसे ठंडी रात दर्ज हुई, जहां तापमान माइनस 7.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। कीलोंग में न्यूनतम तापमान माइनस 3.3 डिग्री, कुकुमसेरी में माइनस 3.1 डिग्री और कल्पा में माइनस 0.4 डिग्री रहा। ऊंचाई वाले इलाकों में पानी की पाइपें जम गई हैं और सुबह के समय बर्फीली हवाओं से लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। राज्य के अन्य हिस्सों में भी पारा सामान्य से दो से पांच डिग्री नीचे रहा। शिमला और धर्मशाला में न्यूनतम तापमान क्रमशः 8.2 और 8 डिग्री रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, एक अक्तूबर से 13 नवंबर के बीच प्रदेश में सामान्य से 113 फीसदी अधिक वर्षा दर्ज की गई है।

श्रीनगर में माइनस 2.1 डिग्री :श्रीनगर में इस मौसम की सबसे ठंडी रात रही, जहां पारा माइनस 2.1 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। यह सामान्य से तीन डिग्री कम है। लगभग सभी इलाकों में रात का तापमान शून्य से नीचे रहा। पहलगाम में न्यूनतम तापमान माइनस 3.8 डिग्री और गुलमर्ग में माइनस 0.5 डिग्री दर्ज किया गया। काजीकुंड में पारा माइनस 1.5 डिग्री और उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा में माइनस 2.2 डिग्री तक गिर गया। केवल दक्षिण कश्मीर के कोकरनाग में तापमान 1.2 डिग्री रहा। मौसम विभाग ने 15 नवंबर तक मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है, हालांकि 16 नवंबर को ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी या बारिश की संभावना है।

राजस्थान में ठंडी हवाओं ने बढ़ाई सर्दी, मौसम रहेगा शुष्क : राजस्थान में फिलहाल बारिश नहीं हो रही, लेकिन ठंडी हवाओं ने सर्दी का अहसास बढ़ा दिया है। बीते 24 घंटे में अधिकांश इलाकों में न्यूनतम तापमान 7 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। सीकर जिले के फतेहपुर में पारा 7 डिग्री तक पहुंच गया, जो राज्य में सबसे कम रहा। मौसम विभाग के अनुसार तापमान सामान्य से एक से दो डिग्री कम है और आने वाले हफ्ते भर मौसम शुष्क रहेगा। न्यूनतम तापमान में हल्की गिरावट की संभावना जताई गई है।

बंगाल में भी गिरा तापमान दार्जिलिंग सबसे दिन ठंडा

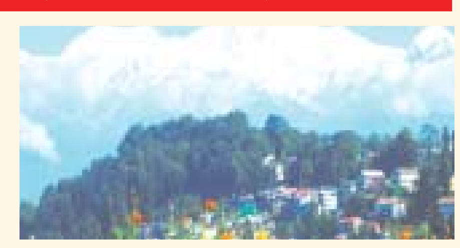

पश्चिम बंगाल में भी तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया जा रहा है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि अगले पांच दिनों तक राज्य के विभिन्न जिलों में रात का तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री नीचे रहेगा। बारिश या घने कोहरे की संभावना नहीं है। दार्जिलिंग में बृहस्पतिवार को सबसे कम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। कोलकाता में पारा 17.1 डिग्री तक गिर गया, जो सामान्य से तीन डिग्री कम है। बीरभूम जिले के श्रीनिकेतन में तापमान 13.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो मैदानी इलाकों में सबसे कम रहा।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों से मुठभेड़ के दौरान आईईडी ब्लास्ट, एक जवान घायल

बीजापुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के भोपालपटनम क्षेत्र के नेशनल पार्क इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ के दौरान आईईडी ब्लास्ट हो गया। इस विस्फोट की चपेट में आने से एसटीएफ का एक जवान घायल हो गया। घटना की आधिकारिक पुष्टि बीजापुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रकांत गवर्णा ने की है । घायल जवान को तुरंत रायपुर रेफर किया गया है। अभी इलाके में मुठभेड़ इलाके में चल रही है और सुरक्षा बल पूरी सतर्कता के साथ कार्रवाई कर रहे हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने आज बताया कि सुरक्षा बलों की टीम सुबह एरिया डॉमिनेशन के लिए रवाना हुई थी। टीम जब जंगल के अंदरूनी हिस्से से गुजर रही थी, तभी माओवादियों द्वारा लगाए गए प्रेशर आईईडी पर एक जवान का पैर पड़ गया और जोरदार विस्फोट हुआ।

दिल्ली ब्लास्ट: नूंह से एमबीबीएस छात्र-डॉक्टर हिरासत में

- **अलफलाह यूनिवर्सिटी में इंटर्नशिप कर रहा; स्टूडेंट की आतंकियों से बातचीत का दावा**

फरीदाबाद/नूंह,एजेंसी। दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए धमाके के बाद पुलिस और जांच एजेंसियों ने फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी में डेरा जमाया हुआ है। आज एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ED) के आने की भी उम्मीद है। इसी बीच नूंह से एक डॉक्टर और एक MBBS छात्र को जांच एजेंसियों ने हिरासत में लिया है। सूत्रों के मुताबिक, डॉक्टर नूंह जिले के सुनहेड़ा गांव का रहने वाला मुस्तकीम है, जबकि छात्र फिरोजपुर झिरका क्षेत्र के अहमदवास गांव का मोहम्मद है। मुस्तकीम ने चीन से MBBS का कोर्स किया था। अब वह अल फलाह यूनिवर्सिटी से एक साल की इंटर्नशिप कर रहा था। मुस्तकीम के चाचा ने बताया कि 2 नवंबर को उसकी इंटर्नशिप पूरी हो गई थी और वह वहां से घर आ गया था। 9 नवंबर को वह दिल्ली एम्स में नौकरी के लिए टेस्ट देकर आया था। इसके दूसरे दिन दिल्ली में ब्लास्ट हो गया।

पुलवामा में आतंकी उमर नबी के घर को आईईडीसे उड़ाया

श्रीनगर। देश की राजधानी दिल्ली के लाल किले के पास हुई कार बम विस्फोट की घटना में सुरक्षा एजेंसियों ने कठोर कदम उठाया है। मुख्य आरोपी आतंकी डॉ.उमर नबी के पुलवामा स्थित आवास को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। दिल्ली विस्फोट में शामिल विस्फोटकों से लदी कार चलाने वाले आतंकी डॉ. उमर नबी का घर जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षाबलों ने ध्वस्त कर दिया है। अधिकारियों ने कहा कि गुरुवार और शुक्रवार की मध्यरात्रि को यह कार्रवाई की गई। सोमवार रात लाल किले के पास हुए कार विस्फोट में 12 लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। उमर हुंडई i20 कार चला रहा था, जो विस्फोटकों से लदी थी।

कर्नाटक में गन्ना किसानों का आंदोलन हिंसक हुआ

100 से ज्यादा ट्रैक्टर में आग लगाई; किसानों की मांग 3300 टन का भाव नहीं चाहिए

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के बागलकोट में गन्ना कीमत में इजाफे की मांग कर रहे किसानों का आंदोलन हिंसक हुआ। रबकवी-बनहट्टी तालुक में गोदावरी शुगर फैक्ट्री में गन्ना लदे 100 से ट्रैक्टरों को आग लगाई गई। SP सिद्धार्थ गोयल ने बताया किसानों ने पत्थरबाजी भी की, जिसमें कुछ पुलिसकर्मियों को चोट आई है। कुछ लोग भी घायल हुए हैं। खुद ने हालात काबू किए।।

किसान राज्य की चीनी मिलों से गन्ना की 3500 टन कीमत मांग रहे हैं। जबकि चीनी मिलों के मालिकों ने 3300 टन का भाव दिया है, लेकिन किसान इस कीमत को स्वीकार करने को राजी नहीं हैं। राज्य के कई जिलों में 7 नवंबर से गन्ना किसान बढ़ी हुई कीमत को लेकर आंदोलन कर रहे हैं।

आग किसानों ने नहीं लगाई- किसान नेता : किसान नेता सुभाष शिराबुर ने कहा कि आग किसानों ने नहीं लगाई। उनके मुताबिक,फैक्ट्री से जुड़े लोग पुलिस के सामने ही आगजनी कर रहे थे। हमारे लोग और कुछ पुलिसवाले भी घायल हुए हैं। पुलिस की गाड़ी पर भी हमला हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को बदनाम करने के लिए फैक्ट्री के अंदर आग लगाई गई।

तीन तालुकों में BNS की धारा 163 लागू : घटना के बाद बागलकोट के उपायुक्त ने क्ख्रस्स्-2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर दिए। इसके तहत 13 नवंबर रात 8 बजे से 16 नवंबर सुबह 8 बजे तक जमखांडी, मुधोल और रबकवी-बनहट्टी तालुकों में प्रदर्शन, हड़ताल और किसी भी तरह की भीड़ जुटाने पर पाबंदी लगा दी गई है।

कौमी इंसाफ मोर्चा का दिल्ली कूच, हरियाणा पुलिस ने शंभू बॉर्डर पर बैरिकेड लगाए, राजपुरा-अंबाला हाईवे बंद

करनाल,एजेंसी। सिख बंदियों की रिहाई के लिए कौमी इंसाफ मोर्चा पंजाब और विभिन्न किसान यूनियन आज शंभू बॉर्डर से दिल्ली के लिए कूच करेंगे। कौमी इंसाफ मोर्चा और किसान यूनियन के सदस्य शंभू बॉर्डर पर एकत्रित होने लगे है। दोपहर तक बड़ी संख्या में मोर्चा और किसान संगठन से जुड़े लोग बॉर्डर पर पहुंच गए थे। इसके बाद यहां से दिल्ली के लिए रवाना होंगे किसान यूनियन के नेता सरवन सिंह पंधेर ने बताया कौमी इंसाफ मोर्चा ने दिल्ली तक मार्च करना है। किसान संगठनों ने इस मार्च को समर्थन देने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि तय कार्यक्रम के अनुसार शंभू बॉर्डर से मार्च दिल्ली के लिए रवाना होगा। उधर, क्रांतिकारी किसान यूनियन के अध्यक्ष डॉ दर्शन पाल सिंह ने बताया कि हमारी तीन मांगे है, जिनमें सिख बंदियों की रिहाई, धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी पर सख्त कानून बने और तीसरा सोनम वांगचुक जैसे राजनीतिक बंदियों की तुरंत रिहाई हो। उन्होंने बताया कि सरकार से दो बजे वार्ता का समय मिला है। इसमें 9 लोगों की कमेटी को भेजा गया गया है। सभी मांगे रखी जाएगी। इसके बाद आगे का फैसला लिया जाएगा। उधर, किसानों के ऐलान के बाद पंजाब और हरियाणा पुलिस कई व्यवस्थाएं की है। पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्जन प्लान कल 13 नवंबर को ही लागू कर दिया था। आज 14 नवंबर (शुक्रवार) की सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक राजपुरा-अंबाला हाईवे ट्रैफिक की आवाजाही बंद कर दी गई है।

धमाके में घायल लोगों को सुनने में आ रही है दिक्कत, तीन दिन बाद भी मरीजों की हालत नहीं है स्थिर

दिल्ली, एजेंसी। लाल किला धमाके के तीन दिन बाद भी घायलों की हालत पूरी तरह स्थिर नहीं हुई है। कई घायलों सुनने में दिक्कत, कान में दर्द और लगातार आवाज (टिनिटस) की समस्या हो रही है। विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास मौजूद लोगों के कानों पर सीधा असर पड़ा। एलएनजेपी अस्पताल में अभी कई घायल भर्ती हैं। डॉक्टरों का कहना है कि कुछ मरीजों के कानों के पर्दे फट गए हैं जबकि कई को अस्थायी सुनने की समस्या है। चेन्नई के मोहम्मद सफवान (28) ने बताया कि धमाके के तुरंत बाद दोनों कान बजने लगे और अब लगातार दर्द हो रहा है। वहीं, यूपी के शिवा जायसवाल (28) को कम सुनाई दे रहा है और उनके चेहरे, हाथ व पैरों पर जलने के निशान हैं। इधर, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. देविंदर राय ने कहा कि इस तरह के शक्तिशाली धमाकों से कानों पर काफी गहरा असर होता है। कुछ लोगों में शोर के झटके को सहने की क्षमता कम होती है जिससे सुनने की शक्ति अस्थायी या स्थायी रूप से प्रभावित हो सकती है। घायलों को जल्द सामान्य सुनने की क्षमता वापस पाने में कई हफ्ते लग सकते हैं जबकि कुछ मामलों में स्थायी नुकसान की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

धमाके के तीन दिन बाद भी मिल रहे मानव अंग : जांच एजेंसियों की लापवाही कहें या चूक...धमाके के तीन दिन बाद भी शव के अवशेष मिल रहे हैं। बृहस्पतिवार को धमाके वाली जगह से करीब 150 मीटर दूर एक शौचालय की टीन शेड पर एक मानव हाथ मिला। सुबह के समय शौचालय आए एंबुलेंस चालक की नजर उस पर गई तो उसने जांच दल को सूचना दी। एफएसएल की टीम ने हाथ को मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में रखवा दिया है। जांच के दौरान शौचालय के पास जांच दल को एक मांस का लोथड़ा मिला था, जिसे लेकर आशंका जताई जा रही है कि शायद इसको कुत्ते उठाकर यहां लाएं हो। करीब एक किलोमीटर एरिया की दोबारा तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान धमाके के बाद हवा में उड़कर आए गाड़ियों के पुर्जे और दूसरा सामान बरामद होता रहा।

धमाके के पीड़ितों के लिए घोषित मुआवजा नाकाफी : कांग्रेस : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने लाल किला धमाके के पीड़ितों के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ओर से घोषित मुआवजा राशि को अपर्याप्त बताया है। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को 10 लाख, स्थायी रूप से विकलांगों को पांच लाख और गंभीर रूप से घायलों को दो लाख रुपये देना अमानवीय व नाकाफी है। दिल्ली सरकार कांग्रेस की ओर से सुझाई गई 50 लाख रुपये की मुआवजा राशि पर विचार करे। धमाके में मारे गए अधिकतर लोग परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे जो भाजपा सरकार की सुरक्षा चूक का शिकार बने। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता केवल दिखावटी संवेदनाएं प्रकट कर रही हैं और पीड़ितों के पुनर्वास की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहीं।

धमाके में जान गंवाने वालों को सरोजिनी नगर में दी श्रद्धांजलि : लाल किला धमाके जान गंवाने वाले लोगों के लिए बृहस्पतिवार को सरोजिनी नगर मार्केट में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों, व्यापारियों और धमाकों में परिजनों को खो चुके पीड़ित परिवारों ने भाग लिया। श्रद्धांजलि सभा में लाल किला धमाके में मारे गए पंकज साहनी के पिता राम बालक साहनी ने दीप जलाकर और फूल चढ़ाकर पुत्र व अन्य मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में 2005, 2008 और 2011 में हुए बम धमाकों के पीड़ित भी शामिल हुए। इनमें मनीषा, विनोद पोद्दार, कुलदीप सिंह, सुरेंद्र, शकील अहमद और संगीता सहित कई लोग उपस्थित रहे। इस दौरान सरोजिनी नगर मार्केट के व्यापारियों और ग्राहकों ने भी मोमबत्तियां जलाकर शांति और एकता का संदेश दिया। सभा का आयोजन साउथ एशियन फोरम फॉर पीपल अगेंस्ट टेरर (पंजीकृत) ने किया। संगठन के अध्यक्ष अशोक रंधावा ने कहा कि सरकार को आतंकवादी हमलों में मारे गए लोगों के परिजनों को सरकारी नौकरियों में 2 फीसदी आरक्षण प्रदान करना चाहिए ताकि उन्हें सामाजिक और आर्थिक सहयोग मिल सके। वहीं, सभा का समापन दो मिनट के मौन और भारत माता की जय के नारों के साथ किया गया।

एनएलजेपी में एक और घायल की मौत हुई, मृतकों की संख्या 13 पहुंची : लाल किला के पास सोमवार को हुए बम धमाके में घायल जम्मू कश्मीर निवासी बिलाल पुत्र गुलाम अहमद की बृहस्पतिवार सुबह एलएनजेपी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। दिल्ली पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल से बृहस्पतिवार सुबह बिलाल की मौत के बारे में सूचना मिली। बिलाल की मौत के साथ दिल्ली बम ब्लास्ट में मरने वालों की संख्या 13 हो गई है। 28 घायलों का उपचार जारी है। दिल्ली पुलिस ने लालकिले बम धमाके की फाइल बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी(एनआईए) को सौंप दी। लाल किला बम धमाके की तीव्रता इतनी थी कि ब्लास्ट के बाद एक दुकान की छत पर बृहस्पतिवार सुबह एक कटा हुआ हाथ मिला। उत्तरी जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार कटा हुआ यह हाथ विस्फोट स्थल से कुछ मीटर दूर जैन मंदिर के पीछे मिला। पीड़ित की पहचान सुनिश्चित करने के लिए भेज दिया गया है।

चोरी की टोयोटा फॉर्च्यूनर बरामद, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक अंतरराज्यीय वाहन चारों के गिरोह के रिसीवर को गिरफ्तार कर चोरी की टोयोटा फॉर्च्यूनर कार बरामद की है। यह वाहन 6 नवंबर को दिल्ली के रूप नगर क्षेत्र से चोरी हुई थी। आरोपित कार को हैदराबाद ले जाकर बेचने की फिराक में था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने शुक्रवार को बताया कि 6 नवंबर को रूप नगर इलाके से एक टोयोटा फॉर्च्यूनर चोरी की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इसी दौरान लगातार निगरानी और खुफिया इनपुट जुटाते हुए पुलिस को पता चला कि यह गाड़ी पश्चिमी यूपी के एक कुख्यात वाहन चोर गिरोह ने चुराई है, जिसका सरगना मेरठ का रहने वाला है। इसके बाद एक टीम तैयार की गई और वाहन की लोकेशन की पुष्टि के लिए तकनीकी निगरानी बढ़ाई गई। पुलिस उपायुक्त के अनुसार टीम को इनपुट मिला कि चोरी की फॉर्च्यूनर हापुड़ (उप्र) बाइपास से होकर गुजरने वाली है। रात में हापुड़ बाइपास पर जाल बिछाकर पुलिस ने संदिग्ध फॉर्च्यूनर को रोका। चारों ओर से घिरते ही ड्राइवर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। जांच में सामने आया कि कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई थी। बाद में पुष्टि हुई कि यह वही वाहन है जो रूप नगर से चोरी हुई थी। पकड़े गए आरोपित की पहचान हैदराबाद निवासी मोहम्मद खादीर (48) के रूप में हुई। पूछताछ में उसने बताया कि वह स्क्रैप और पुरानी गाड़ियों के कारोबार से जुड़ा है और पिछले 6 महीनों से चोरी की गाड़ियों की खरीद-फरोख्त कर रहा है। उसने आगे खुलासा किया कि मेरठ स्थित खजूरी गांव में रहने वाला वाहन चोर (जो उसका दूर का रिश्तेदार भी है) उसे चोरी की गाड़ियां सस्ते दाम पर बेचता है। उसी ने 4.6 लाख रुपये में यह फॉर्च्यूनर उसे दी थी। जिसे खादीर हैदराबाद में करीब 2 लाख रुपये के मुनाफे पर बेचने की तैयारी में था।

मुख्यमंत्री ने डीटीसी की 50 नई इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की 50 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने ओखला के तेहखंड स्थित डीटीसी डिपो में स्वचालित परीक्षण स्टेशन (एटीएस) का भी शिलान्यास किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली का यह दूसरा बड़ा स्वचालित परीक्षण स्टेशन मार्च तक पूरा हो जाएगा, जहां लगभग 72,000 वाहनों की वार्षिक टेस्टिंग की अत्याधुनिक व्यवस्था होगी। इससे वाहन फिटनेस की प्रक्रिया और अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनेगी। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारी सरकार पब्लिक ट्रांसपोर्ट को तेजी से ईवी मोड पर स्विच कर रही है। आज डीटीसी के बेड़े में 50 नई ईवी बसें शामिल होना इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। यह न केवल प्रदूषण में कमी लाएगा, बल्कि यात्रियों को अधिक आरामदायक और पर्यावरणङ्कअनुकूल यात्रा भी प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए हमारी सरकार हर मोर्चे पर काम कर रही है। कूड़े के पहाड़ों को हटाया जा रहा है, सफाई अभियानों को युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है, धूल नियंत्रण, मैकेनिकल स्वीपिंग और वॉटर स्प्रिंकलिंग को तेज किया गया है, और दिल्ली को हरा-भरा बनाने के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं। इस मौके पर दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह और सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

राजधानी की हवा तीसरे दिन भी ज़हरीली, हालात चिंताजनक

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में पारा गिरते ही प्रदूषण ने दिल्ली को गैस चैंबर बना दिया है। ऐसे में बृहस्पतिवार को लगातार तीसरे दिन हवा गंभीर श्रेणी में रही। सुबह की शुरुआत धुंध और हल्के कोहरे से हुई। वहीं, आसमान में कुहासे के साथ स्मॉग की चादर भी दिखाई दी। इस दौरान लोग मास्क पहने नजर आए। साथ ही, सांस के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। राजधानी समेत एनसीआर में पराली जलाने की घटनाओं व वाहनों से निकलने वाले धुएं ने हवा में पीएम2.5 को घोल दिया है।

पटरी पर लौटने लगी पुरानी दिल्ली, चांदनी चौक-दरियागंज और आसपास के बाजारों में फिर होने लगी चहल-पहल

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल किला धमाके के बाद दहशत में आई पुरानी दिल्ली अब धीरे-धीरे अपने पुराने रूप में लौटती दिख रही है। बृहस्पतिवार को चांदनी चौक, दरियागंज, अजमेरी गेट, चांदीवालान, अजमेरी गेट समेत अन्य इलाकों के बाजारों में फिर से चहल-पहल दिखाई दी। लोगों की आवाजाही बढ़ी और कारोबारियों के चेहरों पर भी कुछ राहत दिखी। सबसे खास बात तो यह रही कि लोग अपने परिवारवालों के साथ आए हुए थे। साथ ही, बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सब चांदनी चौक के मशहूर जायके का लुफ्त उठाते नजर आए। दुकानों पर ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। दुकानदारों का कहना है कि हालात अब सामान्य होते जा रहे हैं और बिक्री में भी पहले से सुधार हुआ है। हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था अभी भी कड़ी है लेकिन धीरे-धीरे पुरानी दिल्ली की गलियों में जिंदगी की रफ्तार लौटती नजर आ रही है। चांदनी चौक के मिठाई विक्रेता राजेश जैन ने बताया कि धमाके के बाद दो-तीन दिन तक सन्नाटा था।

लोग डर के मारे घरों से नहीं निकल रहे थे लेकिन अब हालात पहले से बेहतर हैं। बृहस्पतिवार को काफी भीड़ रही। बिक्री भी अच्छी हुई। वहीं, दरियागंज में कपड़ों की दुकान चलाने वाले सलीम खान ने बताया कि बीते सोमवार की घटना के बाद तो दिल बैठ गया था। पुलिस हर जगह थी और ग्राहक गायब थे लेकिन अब माहौल बदल रहा है। दुकान में पुराने ग्राहक और नए चेहरे भी दिखाई दे रहे हैं। इससे हौसला बढ़ा है। पायवलान के इलेक्ट्रॉनिक सामान विक्रेता आकाश गुप्ता ने बताया कि पहले जितनी भीड़ नहीं है लेकिन अब लोग डरना छोड़ रहे हैं। परिवार के साथ घूमने आ रहे हैं। अगले हफ्ते तक कारोबार पूरी तरह सामान्य हो जाएगा। वहीं, चांदीवलान में रेहड़ी लगाने वाले मुन्ना लाल मुस्कुराते हुए बोले कि जब बच्चे गोलगप्पे खाने आने लगें तो समझ लो कि डर खत्म हो गया है। अब तो फिर वही पुरानी दिल्ली वाली रौनक लौट आई है।

न्यू लाजपत राय मार्केट की दुकानों पर लगाई पुलिस ने सील : न्यू लाजपत राय मार्केट की तस्वीर अब भी अलग है। इलेक्ट्रॉनिक सामानों और गैजेट्स के लिए मशहूर यह बाजार वीरान पड़ा है। दिल्ली पुलिस ने यहां सारी दुकानों के तालों पर सील लगाई हुई है। पुलिस ने सुरक्षा कारणों और जांच पूरी होने तक मार्केट को बंद रखने के निर्देश दिए हैं। चांदनी चौक में पानी बेचने वाले दुकानदार पप्पू ने बताया कि यह बाजार हमेशा ग्राहकों से भरा रहता था लेकिन अब सन्नाटा छाया है।

जाको राखे साईंया मार सके न कोए : जहां गईं 13 जान वहां खड़े दो पुलिसवालों को खरोंच न आई, ब्लाइंड स्पॉट ने बचाया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये दोनों पुलिसकर्मी ब्लाइंड स्पॉट की वजह से बचे हैं। उन्होंने बताया कि जब बम धमाका होता है तो उससे विस्फोटक अन्य वस्तुएं चारों तरफ निकलती है। इन खतरनाक घातुओं से बम धमाके चारों तरफ खड़े लोगों को जान-माल का नुकसान होता है। कहते हैं कि जाको राखे साईंया, मार सके न कोए.. जी हां लाल किले बम धमाके के दौरान दिल्ली पुलिस के दो हवलदार के साथ ऐसा ही हुआ है। लालकिले चौकी में तैनात हवलदार अजय चहल व एक अन्य हवलदार बाल-बाल बच गए। दिल्ली पुलिसकर्मियों में चर्चा है कि भगवान की विशेष कृपया से ही दोनों बचे हैं। ये दोनों पुलिसकर्मी धमाके वाली जगह से मात्र 30 से 50 फुट की दूरी पर खड़े हुए थे और इन्हें खरोंच तक नहीं आई, जबकि 300 फुट की दूसरी पर खड़े लोगों की मौत हो गई।

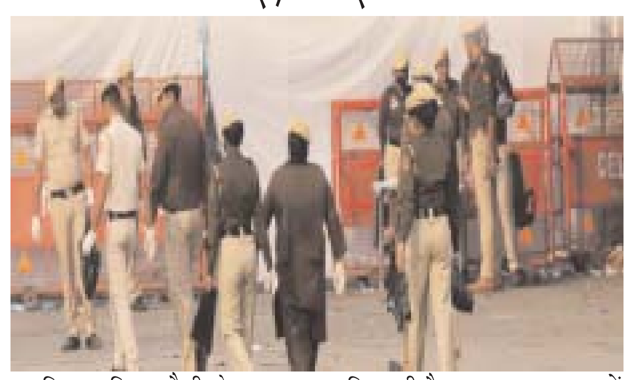

दोनों को मामूली चोट तक नहीं आई: उत्तरी जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिस समय लालकिले के सामने लाल किला पुलिस चौकी के पास बम धमाका हुआ था उस समय लाल किला पुलिस चौकी में तैनात हवलदार अजय चहल धमाके वाली जगह से मात्र 30 फुट की दूरी पर खड़े थे। उन्हें खरोंच तक नहीं आई। वहीं दूसरा हवलदार भी धमाके वाली जगह से मात्र 50 फुट की दूरी पर खड़े थे। इन दोनों को मामूली सी चोट भी नहीं लगी है।

ब्लाइंड स्पॉट की वजह से बची जान : दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये दोनों पुलिसकर्मी ब्लाइंड स्पॉट की वजह से बचे हैं। उन्होंने बताया कि जब बम धमाका होता है तो उससे विस्फोटक अन्य वस्तुएं चारों तरफ निकलती है। इन खतरनाक घातुओं से बम धमाके चारों तरफ खड़े लोगों को जान-माल का नुकसान होता है।

क्या होता है ब्लाइंड स्पॉट : मगर बीच में कुछ ऐसे जगह होती है जहां एक तरफ जाने वाली वस्तुओं के बीच में गैप होता है। इस गैप को ब्लाइंड स्पॉट बोलते हैं। दोनों पुलिसकर्मी इस ब्लाइंड स्पॉट वाली जगह पर खड़े थे और इस कारण दोनों ही बच गए। दोनों की पुलिसकर्मी भगवान को धन्यवाद बोलते हुए नहीं थक रहे हैं।उम्मीद है कि प्रशासन जल्द जांच पूरी कर मार्केट को दोबारा खोलने की अनुमति देगा ताकि रोजमर्रा का कारोबार सामान्य हो सके।

किसानों के लिए बायर ने लॉन्च किया मौसम जोखिम से बचाव का नया कवच 'अलिवियो'

नई दिल्ली, एजेंसी। बायर ने अपना डिजिटल समाधान 'अलिवियो' लॉन्च किया है। यह स्पेनिश शब्द है, जिसका अर्थ है 'राहत'। कंपनी ने इसमें नुकसान को कम करने की प्रक्रिया को नए सिरे से डिजाइन किया है। किसानों को 'अलिवियो' मोबाइल ऐप के जरिए इंटीग्रेटेड, वैल्यू-एडिंग सेवा के रूप में ऐसी जानकारियां प्रदान की जाएगी, जिनके आधार पर वे तत्काल कदम उठा सकते हैं। कंपनी ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि किसानों को केंद्र में रखकर तैयार हो रहा है, जो डिजिटल युग का सशक्त कृषि मॉडल है। बायर ने पारंपरिक बीमा उत्पादों से अलग इंश्योरेंस इकोसिस्टम एवं सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के साथ मिलकर लॉन्च किए गए 'अलिवियो' में हाई-रेजॉल्यूशन सैटेलाइट डेटा और एडवांस्ड क्रॉप मॉडलिंग का प्रयोग किया है। इससे फसल की वृद्धि अवस्था और स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप सुरक्षा मिलती है। बायर के मुताबिक इसमें प्लॉट-बेस्ड एग्रोनॉमिक पैरामीटर के हिसाब से 'एश्योरेंस बेनिफिट' मिलता है, जिसे किसान नजदीकी बायर चैनल पार्टनर के पास जाकर तुरंत रिडीम कर सकते हैं। इससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण बीज और फसल सुरक्षा के लिए आवश्यक उत्पाद तुरंत मिल जाते हैं।

पहचान छिपाकर फ्रांस जा रही सीरिया की महिला गिरफ्तार, आईजीआई पर धोखाधड़ी सहित कई धाराओं में मामला दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। पहचान छिपाकर भारत आई सीरिया मूल की एक महिला को आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। लोजैन अली नाम की महिला यूएई की फर्जी पासपोर्ट के जरिये दिल्ली से फ्रांस जाने की कोशिश कर रही थी। दस्तावेजों की जांच के दौरान फर्जीवाड़ा का खुलासा हुआ। इमिग्रेशन विभाग ने महिला को दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ फर्जीवाड़ा सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और उससे भारत आने के बारे में पूछताछ कर रही है। इमिग्रेशन विभाग की ओर से दर्ज प्राथमिकी में बताया गया कि मामला दस नवंबर का है। दोपहर सवा दो बजे टर्मिनल 3 पर लोजैन अली नामक महिला यात्री एअर इंडिया की उड़ान से पेरिस जाने के लिए आई।

बलोचिस्तान में बस और रेल सेवा बंद, हवाई जहाज का किराया लाख तक पहुंचा

क्वेटा, एजेंसी। बलोचिस्तान में आम बाशिंदों का गुजर-बसर करना मुश्किल हो गया है। पाकिस्तान की संघीय सरकार और राज्य सरकार के सुरक्षा कारणों के कारण लगाए जा रहे प्रतिबंधों से अवाम आजिज आ चुकी है। रेल और बस बंद हैं। इंटरनेट और मोबाइल इंटरनेट की सेवाएं कभी सुचारू नहीं हो पातीं। आवागमन के सस्ते संसाधन बंद हैं और हवाई सफर की कीमतें आसमान छू रही हैं। क्वेटा से बलोचिस्तान का किराया लाख रुपये तक पहुंच गया है। पश्तो भाषा में प्रसारित ऑनलाइन समाचार पोर्टल द बलोचिस्तान पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में मौजूदा मुश्किल हालात की पड़ताल की है। रिपोर्ट के अनुसार, बलोचिस्तान में आतंकवादी हमलों की आशंका की वजह से कई दिनों से रेल सेवा स्थगित है। पंजाब प्रांत जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन सेवा (बस) बंद है। इसके कारण हवाई यात्रा पर निर्भरता बढ़ गई है और किराया कई गुना बढ़ गया है। नागरिकों का कहना है कि इस वजह से अन्य शहरों और प्रांतों की यात्रा करना मश्किल गया है।

बलोचिस्तान परिवहन प्राधिकरण ने बलोचिस्तान को पंजाब के डेरा गाजी खान से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-70 पर बसों, टैक्सियों और निजी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। क्वेटा से पंजाब और कराची के लिए रेल सेवा एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दी गई है। प्रांत के सभी 36 जिलों में 16 नवंबर तक मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई। शहरी इलाकों में आंशिक बहाली की अनुमति दी गई थी, लेकिन दो दिन से शहरों में सेवा पूरी तरह से बंद है।

यात्रा प्रतिबंधों से आम नागरिक, मरीज, विद्यार्थी और व्यापारी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इस्लामाबाद में रहने वाले फहीम अल हसन ने बताया कि उनके एक करीबी रिश्तेदार का कल क्वेटा में निधन हो गया। सुरक्षा के चलते रिश्तेदारों ने विमान से जाने की सलाह दी। टिकट की कीमत का पता किया तो पांव तले जमीन खिसक गई। एक टिकट की कीमत 70 हजार रुपये बताई गई। परिवार के चार-पांच सदस्य जाना चाहते थे। विमान का सफर महंगा होने के कारण कोई भी अंतिम संस्कार में शामिल होने नहीं जा सका।बस और ट्रेन सेवा पहले से बंद है। गम और संवेदनाओं पर प्रतिबंधों का पहाड़ टूट रहा है। बलोचिस्तान की राजधानी क्वेटा में रहने वाले सादुल्लाह ने बताया कि उनके रिश्तेदार की लाहौर में शादी थी। इसकी तैयारी परिवार कई सप्ताह से कर रहा था। रेल और बस बंद होने के कारण वह नहीं जा सके। हवाई जहाज का टिकट खरीदना उनके बूते में नहीं। एयर ट्रैवल एजेंट अब्दुल्ला खान के अनुसार, उड़ानों की कमी है। मांग लगातार बढ़ रही है। विमान टिकट पहले से ही महंगे हैं। क्वेटा से इस्लामाबाद या कराची का किराया आम दिनों में 20 से 25 हजार रुपये होता है। नह अब 70 से 80 हजारर रुपये तक पहुंच चुका है। तत्काल टिकट की कीमत एक लाख रुपये तक पहुंच जाती है।

खान के अनुसार, केवल फ्लाई जिन्ना ही क्वेटा से इस्लामाबाद और कराची के लिए दैनिक उड़ानें संचालित करती है। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) की तीन-चार उड़ानें और सेरेन एयर की केवल एक उड़ान है। मांग कई गुना अधिक है। बलोचिस्तान चैंबर ऑफ कॉमर्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अख्तर काकर ने हवाई किराया में बढ़ोतरी और उड़ानों की कमी के खिलाफ बलोचिस्तान उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। बुधवार को हुई सुनवाई में अदालत ने निर्देश के बावजूद व्यक्तिगत रूप से पेश न होने पर पीआईए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और नागरिक उड्डयन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मुख्य न्यायाधीश रोजी खान बर्दिख ने पूछा है कि बलोचिस्तान के लिए उड़ानें कम और किराया अधिक क्यों है।

अदालत का दरवाजा खटखटाने वाले अख्तर काकर ने कहा कि देश में पांच एयरलाइंस हैं। दो कंपनियां ही क्वेटा के लिए उड़ानें संचालित करती हैं। बलोचिस्तान में पैदल सफर तक सुरक्षित नहीं है। रेल और बस सेवाएं अकसर बंद रहती हैं। इसलिए लोगों को इलाज, शिक्षा, व्यापार या रिश्तेदारों से मिलने के लिए हवाई यात्रा करने पर मजबूर होना पड़ता है। इस्लामाबाद से कराची की हवाई यात्रा दो घंटे की है और टिकट 30 हजार रुपये का है। वह कहते हैं कि क्वेटा से इस्लामाबाद की एक घंटे की टिकट 70 से 80 हजार रुपये में मिल जाती है और कभी-कभी यह एक लाख रुपये से भी अधिक हो जाती है। उन्होंने कहा कि प्रांत एक बड़ी जेल में तब्दील हो गया है और लोगों के लिए दूसरे शहरों या प्रांतों की यात्रा करना जेल तोड़कर बाहर जाने जैसा हो गया है। अख्तर काकर ने सरकार और न्यायपालिक से मांग की कि वे बलोचिस्तान के लोगों के खिलाफ भेदभाव को समाप्त करें और अधिक उड़ानों की व्यवस्था करें। व्यापारी नेताओं का कहना है कि एयरलाइंस देश के अन्य प्रमुख शहरों के लिए रोजाना उड़ानें संचालित करती हैं, लेकिन कई कंपनियां बलूचिस्तान के लिए एक भी उड़ान संचालित नहीं करतीं। यह संविधान के अनुच्छेद 8, 9, 18 और 25 के तहत नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जन-जन की प्रेरणा: राज्य मंत्री

जनजातीय गौरव दिवसरू 1 से 15 नवंबर तक चला जन-जागरण अभियान

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर उच्च विश्राम गृह में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रदेश की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती समापन वर्ष को संपूर्ण प्रदेश में विशेष उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य यह है कि बिरसा मुंडा की राष्ट्रभक्ति, संघर्ष, त्याग और जन-सेवा की प्रेरक गाथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचे। राज्य मंत्री ने बताया कि 1 से 15 नवंबर तक पूरे मध्यप्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। इन कार्यक्रमों में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, जन-जागरूकता रथ, छात्र-छात्राओं की रैलियाँ, संगोष्ठियाँ एवं जनसंवाद सम्मिलित रहे। उन्होंने कहा कि दो सप्ताह तक चलाए गए इस व्यापक अभियान ने समाज में जनजातीय समुदाय के इतिहास और योगदान को लेकर नए सकारात्मक वातावरण का निर्माण किया है।

बिरसा मुंडा ने जगाई स्वतंत्रता की अलख: राज्य मंत्री श्रीमती सिंह ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अपनी अल्प आयु में ही अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध ऐसा आंदोलन खड़ा किया जिसकी गूंज सम्पूर्ण देश में सुनाई दी। वे केवल जनजातीय समाज ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारत के लिए संघर्ष, साहस और आत्मसम्मान के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने और समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है।

सरकार चला रही है जनजातीय कल्याण की ऐतिहासिक योजनाएँ: राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा जनजातीय समुदाय के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएँ चलाई जा रही हैं। जनजातीय क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। सड़क निर्माण, आवास, विद्यालयों का उन्नयन, अस्पतालों का विस्तार और रोजगारोन्मुखी योजनाओं में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की जा रही है। प्रधानमंत्री जनमन योजना तथा धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के प्रयास किए जा रहे हैं।

जिलेवासियों से सहभागिता की अपील: पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे जनजातीय गौरव दिवस को केवल उत्सव के रूप में ही नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक विविधता और गौरवपूर्ण इतिहास के सम्मान के रूप में मनाएँ। उन्होंने कहा कि यह उत्सव हमें एकता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव की दिशा में प्रेरित करता है। पत्रकार वार्ता में देव कुमार सिंह चौहान, जिला पंचायत सदस्य पूजा सिंह कुशराम एवं प्रदीप शुक्ला, पार्षद पूनम सोनी, इंद्र शरण सिंह चौहान, डॉ देवेंद्र त्रिपाठी, पंकज पाण्डेय सहित गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिले के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में सहभागिता कर जनजातीय गौरव दिवस से संबंधित गतिविधियों के व्यापक प्रचार-प्रसार में सहयोग प्रदान किया।

शासकीय कन्या महाविद्यालय जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में 14 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती समापन वर्ष के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गौरव दिवस के तहत महाविद्यालय में पोस्टर निर्माण, भाषण प्रतियोगिता तथा निबंध प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा और सृजनशीलता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. विजय कुमार अहिरवार ने किया। उन्होंने बिरसा मुंडा के संघर्षों और क्रांतिकारी कार्यों को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन आज भी समाज को प्रेरित करता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओ.पी. नामदेव ने अपने उद्बोधन में कहा कि बिरसा मुंडा एक क्रांतिकारी योद्धा होने के साथ-साथ समस्त भारतीयों के लिए आदर्श और प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने छात्राओं को उनके व्यक्तित्व और त्याग से सीख लेने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में डॉ. देवेंद्र कुमार सोनी, डॉ. पुष्पराज सिंह, डॉ. नंदकिशोर कलोसिया, डॉ. संदीप चौरसिया, डॉ. प्रीति सतनामी, डॉ. रामबदन विश्वकर्मा सहित सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में छात्राओं ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। इस समस्त आयोजन का सफल संचालन कार्यक्रम प्रभारी डॉ. प्रतिमा कौल के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

एक पहिए पर 10 किमी दौड़ा टैंकर, महिला और बाइक सवार बाल-बाल बचे; थाने में शिकायत दर्ज कराई

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। शुक्रवार सुबह चुरहट-सिहावल मुख्य मार्ग पर टैंकर एक पहिए के बिना तेज गति से दौड़ता दिखा। ग्राम पंचायत कडियार का यह टैंकर बेकाबू होकर सड़क पर डगमगा रहा था, जिससे बड़ा हादसा होने का खतरा था। इस घटना के दौरान एक महिला और एक बाइक सवार बाल-बाल बचे। ग्रामीणों ने अमिलिया थाने में शिकायत दर्ज कराई है। सुबह 8 बजे हुई इस घटना में टैंकर का पिछला एक बड़ा पहिया पूरी तरह गायब था। इसके बावजूद वाहन को तेज रफ्तार में चलाया जा रहा था। टैंकर एक तरफ झुका हुआ था और सड़क पर बेकाबू तरीके से चल रहा था, जिससे राहगीरों में हड़कंप मच गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया 10 किमी तक दौड़ा टैंकर: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टैंकर लगभग 10 किलोमीटर तक इसी खतरनाक स्थिति में चलता रहा। इसी दौरान सड़क से गुजर रही एक महिला और एक बाइक सवार इसकी चपेट में आने से बाल-बाल बचे। उनकी सूझबूझ से एक गंभीर दुर्घटना टल गई। घटना के प्रत्यक्षदर्शी राजभान पटेल ने टैंकर मालिक रामपाल पटेल को रोकने का प्रयास किया। उन्होंने वाहन को आगे न ले जाने की चेतावनी दी, लेकिन रामपाल पटेल ने उनकी बात नहीं मानी और टैंकर को चलाना जारी रखा। ग्रामीणों की शिकायत पर अमिलिया थाना प्रभारी राकेश बेस ने मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन एक गंभीर अपराध है और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल में अव्यवस्था के खिलाफ शिवसेना का प्रदर्शन, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। शुक्रवार को शिवसेना और स्थानीय ग्रामीणों ने जिला अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्था, लापरवाही और भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन किया। यह धरना सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक चला, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने गांधी चौराहा से कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली और अस्पताल में सुधार के साथ-साथ गिरफ्तार शिव सैनिकों की तत्काल रिहाई की मांग की।

यह था मामला: ज्ञात हो कि दो सप्ताह पहले शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे और उनके सात साथियों को गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. एस.बी. खरे के मुंह पर काला रंग लगाया था। शिकायत के बाद पुलिस ने सभी को जेल भेज दिया था।

गिरफ्तारी को अनुचित बताया: प्रदर्शन में शिवसेना पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विवेक पांडे व अन्य की गिरफ्तारी को अनुचित बताया और उनकी तुरंत रिहाई की मांग की। कलेक्ट्रेट में उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसे एसडीएम राकेश शुक्ला ने प्राप्त कर बताया कि यह कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा जाएगा।

कार्यकर्ता बोले-अस्पताल की लापरवाही से 17 लोगों की मौत: समाजसेवी रामचरण सोनी ने जिला अस्पताल की लगातार बिगड़ती स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल में अव्यवस्था और लापरवाही के कारण मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है और जनवरी से अब तक 17 लोगों की मौत अस्पताल की लापरवाही

बिहार में एनडीए की जीत पर हुआ जश्न, भाजपा कार्यालय में बांटी गई मिठाई; जिला अध्यक्ष बोले-यह कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का नतीजा

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की जीत का जश्न भी मनाया गया। शुक्रवार को बैढ़न स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय में सुबह से ही उत्साह का माहौल था। जैसे ही जीत के रुझान एनडीए के पक्ष में आए, कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटने लगी।

एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर दी बधाई: कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। पार्टी कार्यालय 'फिर एक बार एनडीए सरकार' और 'मोदी है तो मुमकिन है' जैसे नारों से गूंज उठा। ढोल-डमरू और पटाखों के साथ उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुंदरलाल शाह, देवसर विधायक और सिंगरौली विधायक सहित कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिला अध्यक्ष बोले-यह कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का नतीजा: जिला अध्यक्ष सुंदरलाल शाह ने इस जीत को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह भाजपा संगठन की ताकत और कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी वजह से पार्टी में एकजुटता और समर्पण बढ़ा है। उन्होंने जोर दिया कि बिहार की जनता ने विकास, स्थिरता और सुशासन के पक्ष में मतदान किया है।

ढोल पर नाचकर और एक-दूसरे को बधाई देकर मनाया जश्न: विधायकों ने भी बिहार में एनडीए की जीत को राष्ट्र की राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश बताया। नेताओं ने उम्मीद जताई कि बिहार में बनने वाली नई सरकार राज्य में विकास और रोजगार की गति को नई दिशा देगी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर, ढोल पर नाचकर और एक-दूसरे को बधाई देकर अपनी खुशी व्यक्त की। देर शाम तक पार्टी कार्यालय में जश्न का माहौल रहेगा।

कैंपस ने सिंगरौली में नया स्टोर खोला, ग्राहकों के लिए लॉन्च ऑफ़र पेश

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। भारत के अग्रणी स्पोर्ट्स और एथलीज़र फुटवियर ब्रांड्स में से एक, कैंपस ने सिंगरौली में 720 वर्ग फीट के अपने नए स्टोर का उद्घाटन किया। यह कदम ब्रांड की मध्य प्रदेश में अपनी रिटेल उपस्थिति बढ़ाने और ग्राहकों को एक शानदार शॉपिंग अनुभव देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नए स्टोर में पुरुष और महिलाओं के लिए स्नीकर्स, परफॉर्मेंस शूज और वार्नर ब्रदर्स के लिमिटेड एडिशन जैसे बैटमैन और सुपरमैन थीम वाले डिज़ाइन उपलब्ध हैं। उद्घाटन अवसर पर ग्राहक आकर्षक ऑफ़र का लाभ उठा सकते हैं—2499 रुपये या उससे अधिक की खरीदारी पर बेला वीटा परफ्यूम और 3999 रुपये या उससे अधिक की खरीदारी पर बैकपैक मुफ्त मिलेगा।

इस अवसर पर निखिल अग्रवाल, सीईओ और होल टाइम डायरेक्टर, कैंपस एक्टिववियर लिमिटेड ने कहा, 'सिंगरौली में नया स्टोर खोलना हमारे ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाने और उन्हें आसान व शानदार शॉपिंग अनुभव देने का प्रयास है। हमारा उद्देश्य भारत में पसंदीदा स्पोर्ट्स और एथलीज़र फुटवियर ब्रांड के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत करना है।'

इस स्टोर के साथ, कैंपस के एक्सक्लूसिव रिटेल आउटलेट्स की संख्या देशभर में 298 हो गई है। ब्रांड युवाओं को ट्रेंडिंग और स्टाइलिश फुटवियर के जरिए अपने व्यक्तित्व को व्यक्त करने के लिए प्रेरित कर रहा है, और अपने ओमनी-चैनल अनुभव को मजबूत कर रहा है।

गैस पाइप से टकराई कार, सड़क पर रखे पाइपलाइन से लगातार हादसे; नगर निगम सख्त

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। बैढ़न शहर में मॉडल रोड पर गुरुवार देर रात एक बड़ा हादसा टल गया। माजन मोड़ से विंध्यनगर की ओर जा रही एक कार सड़क पर लोहे के गैस पाइप से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, कार सवार व्यक्ति को मामूली चोटें आईं, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। मॉडल रोड पर पिछले कुछ दिनों से हिंदुस्तान पेट्रोलियम की ठेका कंपनी गैस पाइपलाइन बिछाने का काम कर रही है। कंपनी की लापरवाही के कारण सड़क पर खुले में पाइप रखे जा रहे हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रही है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, कार्यस्थल पर न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं और न ही रात में कोई रिफ्लेक्टर या सुरक्षा संकेत उपलब्ध होते हैं, जिससे हादसों का खतरा बढ़ जाता है।

नगर निगम कमिश्नर बोलीं- ठेका कंपनी को दिए सख्त निर्देश: इस मामले पर नगर निगम कमिश्नर सविता प्रधान ने बताया कि शहर में पाइपलाइन बिछाने का कार्य जारी है। उन्होंने कहा, 'ठेका कंपनी को सख्त निर्देश दिए जा रहे हैं कि पाइपों को व्यवस्थित तरीके से रखा जाए और आवश्यक स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं।

सोन नदी अभयारण्य में 24 नर घड़ियाल छोड़े चंबल से लाए गए, 25 कछुओं को भी मिला नया आशियाना; प्रजनन में मिलेगी मदद

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले के सोन घड़ियाल अभयारण्य में जलीय जीवों का नया परिवार शामिल किया गया है। शुक्रवार को चंबल से 24 नर घड़ियाल, एक मादा घड़ियाल और 25 विभिन्न प्रजातियों के कछुए यहां लाए गए। इन्हें अभयारण्य के अलग-अलग क्षेत्रों में सुरक्षित रूप से छोड़ा गया।

जोगदहा और भवरसेन क्षेत्र में छोड़े गए घड़ियाल: डीएफओ राजेश कन्ना टी ने बताया कि सोन नदी स्थित जोगदहा अभयारण्य में 13 नर घड़ियाल छोड़े गए, जबकि भवरसेन क्षेत्र में 12 नर घड़ियालों के छोटे बच्चों को छोड़ा गया है। भिंड से लाए गए 25 कछुओं को भी प्राकृतिक वातावरण में छोड़ने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई।

प्रजनन पर आएगा सुधार, अब पूरी होगी वर्षों पुरानी कमी: डीएफओ ने बताया कि अभयारण्य में मादा घड़ियाल तो थीं, लेकिन नर घड़ियालों की संख्या शून्य हो गई थी। इस वजह से प्रजनन पूरी तरह रुक गया था। विभाग काफी समय से नर घड़ियाल उपलब्ध कराने की मांग कर रहा था। चंबल से मिले घड़ियालों के बाद अब प्राकृतिक प्रजनन प्रक्रिया में सुधार की उम्मीद है।

जिम्मेदारी को लेकर सवाल भी उठे: बता दें कि, अभयारण्य में पहले कई बार घड़ियालों और अन्य जलचर प्रजातियों की मौत के मामले सामने आए थे। इन घटनाओं के बाद चौकीदारों पर लापरवाही के आरोप लगे थे।

शिक्षा व्यवस्था को लेकर गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन ने दिया ज्ञापन, छात्रों की समस्याओं पर प्रशासन से की कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन ने सोमवार को सिंगरौली जिले में छात्रों की शैक्षणिक समस्याओं और आवश्यक सुविधाओं को लेकर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन मुख्यमंत्री, मंत्रीगण और जिला प्रशासन को संबोधित था, जिसमें शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अव्यवस्थाओं, मूलभूत संसाधनों की कमी और छात्रावासों की बदहाल स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई।

संगठन के जिलाध्यक्ष आशीष कुमार पनिका ने बताया कि सिंगरौली जिले के शासकीय स्कूलों और महाविद्यालयों में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित माहौल और आवश्यक संसाधन नहीं मिल पा रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी और कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों की बड़ी संख्या का उल्लेख किया, जिनकी समस्याओं पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से आदिवासी एवं जनजातीय छात्रों के लिए विशेष छात्रवृत्ति, कोचिंग सुविधा और आर्थिक सहायता की व्यवस्था की मांग की गई है। इसके अतिरिक्त, बीएड, डीएलएड, नर्सिंग और अन्य पेशेवर कोर्स करने वाले छात्रों के लिए प्रशिक्षण सामग्री और मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन ने सभी सरकारी कॉलेजों में स्थायी प्राध्यापकों की नियुक्ति और नियमित कक्षाओं की अनिवार्यता की मांग की। छात्रावासों में बेहतर भोजन, पानी, सुरक्षा और स्वच्छता की व्यवस्था के साथ-साथ जनजातीय छात्रावासों में सैनिटरी पैड व आवश्यक स्वास्थ्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने की भी मांग की गई। संगठन ने छात्रावासों में खराब भवन, टूटे फर्नीचर और पानी की कमी जैसी समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की। महाविद्यालयों में पुस्तकालय, लैब, परीक्षा तैयारी सामग्री और इंटरनेट सुविधा को दुरुस्त करने के साथ ही, जिले के ग्रामीण और अंचल क्षेत्रों में स्कूलों के लिए पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति और मूलभूत संसाधनों की व्यवस्था करने की भी अपील की गई।

गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन व्यापक आंदोलन करेगा। इस ज्ञापन पर बड़ी संख्या में छात्र नेताओं ने हस्ताक्षर कर अपना समर्थन व्यक्त किया। संगठन ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन और सरकार छात्रों की इन मूलभूत समस्याओं पर जल्द सकारात्मक निर्णय लेगी, जिससे जिले की शिक्षा व्यवस्था मजबूत हो सके।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

क्रमांक/851/E- Tender/PMAY-AHP/न.पा.नि./2025 रीवा, दिनांक 13.11.2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (तृतीय अवसर)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम रीवा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गोल क्वार्टर साईट एवं एस.ए.एफ. साईट में निर्माणाधीन दुकानें जो रिक्त हैं, के अंतरण हेतु प्रीमियम तथा भू-भाटक, म.प्र. नगर पालिक निगम (अचल सम्पत्ति का अंतरण) नियम 2016 के 2 के संशोधित नियम 3(1) के तहत ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। कोई भी इच्छुक व्यक्ति/निविदाकार / फर्म, ऑन लाईन शुल्क जमा कर निविदा में भाग ले सकते है। विवरण तालिका में दर्शित है। निर्धारित आवेदन पत्र शर्तों नियमावली के साथ रूपये 1000:00 का भुगतान कर ऑनलाईन प्राप्त किया जा सकता है। निविदा में भाग लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज निम्नानुसार है:-

1. ऑन लाईन भुगतान किये गये शुल्क के रसीद की स्कैन कॉपी।
2. शपथ पत्र रूपये 100.00 के नॉन ज्यूडीसियल स्टॉम पेपर में नोटराइज किया हुआ, जिसमें उल्लेखित होगा कि व्यक्ति/निविदाकार / फर्म किसी भी संस्था से ब्लैक लिस्टेड या डिफाल्टर घोषित नहीं किया गया है।
3. आधार कार्ड।
4. पैन कार्ड।
5. निविदाकार को अपना स्थाई पता, मोबाईल नम्बर एवं अन्य जानकारी निविदा के साथ संलग्न प्रारूप में भरकर हस्ताक्षर सहित प्रस्तुत करना होगा।

उपरोक्त दस्तावेजों की स्कैन कॉपी ऑनलाईन जमा करना अनिवार्य होगा। दस्तावेजों के अभाव में निविदा अमान्य कर दी जावेगी, जिसकी सम्पूर्ण जबावदारी निविदाकार की स्वयं की होगी। निविदा संबंधित प्रमुख तिथियों निम्नानुसार है:-

1. ऑन लाईन निविदा फार्म खरीदने की प्रारंभ तिथि -17/11/2025 समय सुबह 9.00 बजे से।
2. ऑन लाईन निविदा फार्म खरीदने की अंतिम तिथि -05/12/2025 समय शांय 18.00 बजे तक।
3. ऑन लाईन निविदा फार्म जमा करने की प्रारंभ तिथि - 17/11/2025 समय सुबह 9.00 बजे से।
4. ऑन लाईन निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि -05/12/2025 समय शांय 18.00 बजे तक।
5. ऑन लाईन तकनीकी लिफाफा खुलने की तिथि -08/12/2025 समय दोपहर 12.00 बजे से।
6. ऑन लाईन वित्तीय लिफाफा खुलने की तिथि -कार्यालयीन प्रक्रिया पर्ण होने के उपरांत ऑनलाइन सूचित किया जावेगा।

निविदा में भाग लेने के लिए निविदाकार को ई-टेण्डरिंग पोर्टल www.mpteders.gov.in मे आवश्यक शुल्क जमा कर पंजीयन कराना होगा। पोर्टल में पंजीयन के बिना कोई भी निविदाकार निविदा में भाग नही ले सकता। अधिकतम प्रीमियम प्रदाता (H1) निविदाकार का चयन सफल निविदाकार के रूप में किया जावेगा। प्रतिभूति राशि ऑनलाईन जमा करनी होगी। उच्चतम निविदादाता को विक्रय मूल्य की 25 प्रतिशत राशि निविदा खुलने के दिनांक से 21 दिवस के भीतर जमा करनी होगी शेष राशि अचल सम्पत्ति अंतरण नियम 2016 के संशोधित नियम 7 के अनुसार जमा करनी होगी। योजना के अभिन्यास का अवलोकन एवं विस्तृत जानकारी सहायक यंत्री, कक्ष क्रमांक- 38 एवं 45, प्रधानमंत्री आवास योजना, नगर पालिक निगम रीवा से कार्यालयीन समय पर प्राप्त की जा सकती है। प्रधानमंत्री आवास योजनान्तर्गत निर्मित दुकानों का स्थल अनुसार विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	निविदा क्रमांक	दुकान क्रमांक	क्षेत्रफल (वर्गफिट में)	निर्धारित राशि प्रति दुकान	लीजरेन्ट वार्षिक	श्रेणी	निर्धारित पंजीयन राशि (प्रतिभूति राशि)
1. गोल क्वॉटर दुकान (भूतल)							
1.	2025_UAD_462446_1	13	188.30	₹17,00,000.00		S.C.	₹42,500.00
2.	2025_UAD_462448_1	14	188.30	₹17,00,000.00		S.T.	₹42,500.00
3.	2025_UAD_462449_1	15	188.30	₹17,00,000.00		OBC.	₹42,500.00
2. गोल क्वॉटर दुकान (प्रथम तल)							
1.	2025_UAD_462450_1	7	188.30	₹13,00,000.00	निविदा में प्राप्त प्रीमियम के मूल्य का प्रथम 10 वर्ष हेतु 0.5% तत्पश्चात् अगले 20 वर्षों के लिए 2.00% होगा।	अनारक्षित	₹32,500.00
2.	2025_UAD_462451_1	8	188.30	₹13,00,000.00		अनारक्षित	₹32,500.00
3.	2025_UAD_462452_1	9	188.30	₹13,00,000.00		अनारक्षित	₹32,500.00
4.	2025_UAD_462453_1	10	188.30	₹13,00,000.00		अनारक्षित	₹32,500.00
5.	2025_UAD_462454_1	11	188.30	₹13,00,000.00		अनारक्षित	₹32,500.00
6.	2025_UAD_462455_1	12	188.30	₹13,00,000.00		अनारक्षित	₹32,500.00
7.	2025_UAD_462457_1	19	188.30	₹13,00,000.00		S.C.	₹32,500.00
8.	2025_UAD_462458_1	20	188.30	₹13,00,000.00		अनारक्षित	₹32,500.00
9.	2025_UAD_462459_1	21	188.30	₹13,00,000.00		अनारक्षित	₹32,500.00
10.	2025_UAD_462460_1	22	188.30	₹13,00,000.00		अनारक्षित	₹32,500.00
11.	2025_UAD_462461_1	23	188.30	₹13,00,000.00		अनारक्षित	₹32,500.00
12.	2025_UAD_462462_1	24	188.30	₹13,00,000.00		अनारक्षित	₹32,500.00
3. एस.ए.एफ साईट दुकान (भूतल)							
1.	2025_UAD_462463_1	3	188.30	₹16,00,000.00	निविदा में प्राप्त प्रीमियम के मूल्य का प्रथम 10 वर्ष हेतु 0.5% तत्पश्चात् अगले 20 वर्षों के लिए 2.00% होगा।	अनारक्षित	₹40,000.00
2.	2025_UAD_462464_1	6	188.30	₹16,00,000.00		अनारक्षित	₹40,000.00
3.	2025_UAD_462465_1	13	188.30	₹16,00,000.00		S.C.	₹40,000.00
4.	2025_UAD_462466_1	14	188.30	₹16,00,000.00		S.T.	₹40,000.00
5.	2025_UAD_462467_1	15	188.30	₹16,00,000.00		O.B.C.	₹40,000.00
6.	2025_UAD_462468_1	16	188.30	₹16,00,000.00		U.R. Widowa	₹40,000.00
7.	2025_UAD_462469_1	17	188.30	₹16,00,000.00		अनारक्षित	₹40,000.00
8.	2025_UAD_462470_1	18	188.30	₹16,00,000.00		अनारक्षित	₹40,000.00
4. एस.ए.एफ. साईट दुकान (प्रथम तल)							
1.	2025_UAD_462471_1	7	188.30	₹12,00,000.00	निविदा में प्राप्त प्रीमियम के मूल्य का प्रथम 10 वर्ष हेतु 0.5% तत्पश्चात् अगले 20 वर्षों के लिए 2.00% होगा।	अनारक्षित	₹30,000.00
2.	2025_UAD_462472_1	8	188.30	₹12,00,000.00		अनारक्षित	₹30,000.00
3.	2025_UAD_462473_1	9	188.30	₹12,00,000.00		अनारक्षित	₹30,000.00
4.	2025_UAD_462474_1	12	188.30	₹12,00,000.00		अनारक्षित	₹30,000.00
5.	2025_UAD_462475_1	19	188.30	₹12,00,000.00		S.C.	₹30,000.00
6.	2025_UAD_462476_1	20	188.30	₹12,00,000.00		अनारक्षित	₹30,000.00
7.	2025_UAD_462477_1	21	188.30	₹12,00,000.00		अनारक्षित	₹30,000.00
8.	2025_UAD_462478_1	22	188.30	₹12,00,000.00		अनारक्षित	₹30,000.00
9.	2025_UAD_462479_1	23	188.30	₹12,00,000.00		अनारक्षित	₹30,000.00
10.	2025_UAD_462480_1	24	188.30	₹12,00,000.00		अनारक्षित	₹30,000.00

कार्यपालन यंत्री/नोडल अधिकारी
प्रधानमंत्री आवास योजना
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

दो सौ आतंकी हमलों की साजिश

संपादकीय

कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक के बाद केंद्र ने दिल्ली विस्फोट को 'जघन्य आतंकी घटना' करार दिया है। इसे देश-विरोधी ताकतों की आतंकी करतूत माना है, लिहाजा फिर दोहराया गया है कि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति बरकरार रहेगी और आतंकियों तथा उनके आकाओं को बख्शा नहीं जाएगा। हमारी जांच और सुरक्षा एजेंसियों ने लगातार छापेमारी कर जो साक्ष्य, डायरियां, नोटबुक्स आदि बरामद की हैं, उनसे 'डॉक्टर आतंकी गिरोह' के खौफनाक, नरसंहारी मंसूबे बेनकाब हुए हैं। दरअसल आतंकी 26 जनवरी, 2025 को ही लालकिले पर हमला करना चाहते थे। डॉ. मुजम्मिल और डॉ. उमर नबी (दिल्ली विस्फोट में भस्म) ने कई बार लालकिले की रेकी की थी और सुरक्षा-व्यवस्था तथा यातायात की जानकारियां जुटाई थीं, लेकिन वह साजिश नाकाम रही। अब प्रभु श्रीराम की अयोध्या सबसे पहले निशाने पर है। 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर 'भगवा ध्वज' फहराने की रस्म प्रधानमंत्री मोदी निभाएंगे। जाहिर है कि वह एक भव्य आध्यात्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक समारोह होगा। आतंकी उस दौरान अपनी नापाक साजिश को अंजाम देने की सोच रहे हैं। इसका खुलासा बरामद दस्तावेजों और आरोपित आतंकियों से पूछताछ के दौरान सामने आया है। आतंकी 25 नवंबर के बजाय 6 दिसंबर को 'राम मंदिर परिसर' में ही आतंकी विस्फोट कर सकते हैं। 1992 में इसी तारीख पर कथित बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराया गया था। बहरहाल सिर्फ लालकिला ही नहीं, राजधानी दिल्ली का 'इंडिया गेट', गौरीशंकर मंदिर, कांस्टीट्यूशन क्लब (सांसदों की आवाजाही का स्थान), बड़े शॉपिंग मॉल्स, प्रमुख रेलवे स्टेशन आदि भी 'व्हाइट कॉलर आतंकी गिरोह' के निशाने पर हैं।

उनकी साजिश है कि 200 से अधिक विस्फोटक आईईडी बनाए जाएं और दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद में 26/11 आतंकी हमले की तर्ज पर नरसंहार किया जाए। आतंकी एक साथ करीब 200 आईईडी विस्फोट करने की साजिश पर काम कर रहे थे। फरीदाबाद में जो 2900 किग्रा. अमोनियम नाइट्रेट और आरडीएक्स बरामद किया गया था, वह इसी साजिश के मद्देनजर जमा किया जा रहा था। जनवरी, 2025 से 'आतंकी डॉक्टर' और जैश-ए-मुहम्मद के गुरगे फरीदाबाद के 3-4 कमरों में विस्फोटक जमा कर रहे थे, लेकिन उन बोरों में खाद बताई जाती थी। विस्फोटक सामग्री और रसायन बांग्लादेश के रास्ते, नेपाल रूट से, फरीदाबाद तक लाए गए। अब भी करीब 300 किग्रा. विस्फोटक की तलाश की जा रही है, क्योंकि जांच एजेंसियों को कुल 3200 किग्रा. विस्फोटक होने का खुलासा किया गया है।

है अंधेरी रात पर दीवा जलाना कब मना है

डॉ योगेन्द्र

पंकज सुबीर का एक उपन्यास है -' अकाल में उत्सव'। यह उपन्यास 2016 में पहली बार छपा। उसका नायक रामप्रसाद नामक किसान है। वह ' सूखा पानी ' नामक गांव में रहता है। रामप्रसाद दुःख तकलीफ़ जब तक झेल सकता है, झेलता है और अंततः आत्महत्या कर लेता है। उधर जिलाधिकारी सहित तथाकथित बड़े बड़े लोग उत्सव मना रहे हैं। यह उपन्यास बहुत मार्मिक है और अपने समय की दास्तान कहता है। प्रशासन और प्रशासन से लाभान्वित लोग आज भी यह उत्सव कर रहे हैं, बल्कि ज्यादा भयानक ढंग से। यह अकाल में उत्सव नहीं, बल्कि मृत्योत्सव है। कल दिल्ली के लाल किले के पास विस्फोट हुआ। खबर है कि नौ लोग मारे गए और अनेक घायल हैं। विस्फोट करने वाले में कोई पकड़ा नहीं गया। वह गाड़ी पकड़ी गई, जिसके माध्यम से विस्फोट हुआ। पता चला कि यह गाड़ी किसी मुसलमान के नाम पर है। मीडिया, चाटुकार और नेतागण मृत्यु का उत्सव मनाने लगे। बिहार में आज मतदान है। गाड़ी से मुस्लिम का नाम जुड़ गया, इसे खूब उछालो जिससे हिन्दू मतदाता को लगे कि अगर बीजेपी को वोट नहीं दिया तो मुस्लिम राज आ जायेगा। इस घटना की जिम्मेदारी केंद्र सरकार नहीं लेगी। गृहमंत्री अमित शाह हैं। वे सरदार पटेल बनना चाहते हैं, वे भी जिम्मेदारी नहीं लेंगे। अपनी असफलता को कैसे जीत में बदली जाती है, इसकी तकनीक उन्हें मालूम है।

आतंकवादी घटनाओं को कैसे बाजार में भंजाया जाता है, इसमें उन्हें महारत हासिल है। पुलवामा में हमारे नौनिहालों के चिथड़े उड़ गए, लेकिन न जांच हुई, न कोई नतीजा निकला। एक सामान्य से प्रश्न का जवाब वे नहीं दे पाये कि आरडीएक्स का जखीरा वहां कैसे आया? बीजेपी सरकार की डूबती नैया को पुलवामा की आतंकवादी घटना ने उबार लिया। ग्यारह वर्ष पूर्व जो भी आतंकवादी घटनाएं होती थीं, उसके लिए कांग्रेस सरकार दोषी होती थी। ग्यारह वर्ष बाद भी तमाम घटनाओं के लिए कांग्रेस ही दोषी है। केंद्र में बैठी सरकार तो निर्दोष है। उसकी जरा भी जिम्मेदारी नहीं। कोई मरे, कोई जिये, इसमें भला केंद्र सरकार क्या करेगी? वह तो मंदिर बना कर उत्सव में लीन है। पचास वर्षों तक राज करने आयी है। बीच में वह कैसे इस्तीफा दे दे। ईश्वर का निर्देश है कि कुछ भी हो जाए, कुर्सी से हिलना नहीं है। जब राजनीति में लोक लज्जा खत्म हो जाय तो वह बेरहम हो जाती है। ऐसे ही वक्त में शहीदों की जरूरत पड़ती है। सिर पर कफ़न बांध कर गांव और गलियों में आवाज लगाने वाले लोगों की आवश्यकता होती है। यह भयावह वक्त है, जब मृत्यु से भी मुनाफा कमाया जा रहा है और मजा यह है कि देश में ऐसे लोग भी मौजूद हैं जो इस मृत्योत्सव का समर्थन भी करते हैं और जयकारे भी लगाते हैं। देश की ज्ञान परंपरा क्या इतनी भोथरी और कुंद पड़ गई है कि वह देश? की परिस्थितियों को समझ नहीं पा रही? राम की शक्तिपूजा में राम कहते हैं - अन्याय जिधर है उधर शक्ति।? निराला की कही हुई बात आज सत्य प्रतीत होती है। वर्तमान का विकराल होता असत्य सत्य को लील रहा है। यह भी सच है कि देश पर जब गंभीर संकट आया है तो लोग एकजुट हुए हैं और लोग उठ खड़े हुए हैं। झंझावात में भी लोगों ने जान पर खेलकर आवाज लगाई है। हरिवंशराय बच्चन ने लिखा है -

क्या हवाएँ थीं कि उजड़ा प्यार का वह आशियाना
कुछ न आया काम तेरा शोर करना, गुल मचाना
नाश की उन शक्तियों के साथ चलता ज़ोर किसका
किंतु ऐ निर्माण के प्रतिनिधि, तुझे होगा बताना
जो बसे हैं वे उजड़ते हैं प्रकृति के जड़ नियम से
पर किसी उजड़े हुए को फिर बसाना कब मना है
है अँधेरी रात पर दीवा जलाना कब मना है।

> **बिरसा मुंडा एक आदिवासी नेता और लोकनायक थे। ये मुंडा जाति से सम्बन्धित थे। वर्तमान भारत में रांची और सिंहभूमि के आदिवासी बिरसा मुंडा को अब बिरसा भगवान कहकर याद करते हैं। मुंडा आदिवासियों को अंग्रेज़ों के दमन के विरुद्ध खड़ा करके बिरसा मुंडा ने यह सम्मान अर्जित किया था। 19वीं सदी में बिरसा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक मुख्य कड़ी साबित हुए थे। कहा जाता है कि 1895 में कुछ ऐसी आलौकिक घटनाएँ घटीं, जिनके कारण लोग बिरसा को भगवान का अवतार मानने लगे। लोगों में यह विश्वास दृढ़ हो गया कि बिरसा के स्पर्श मात्र से ही रोग दूर हो जाते हैं।**

बिरसा मुंडा : धरती बाबा से बिरसा भगवान तक

(भगवान बिरसा मुंडा जयंती 15 नवंबर 2025)

दिलीप कुमार पाठक

बिरसा मुंडा का जन्म 1874 ई. में झारखण्ड राज्य के राँची में हुआ था। कहा जाता है कि उनके पिता, चाचा, ताऊ सभी ने ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया था। बिरसा के पिता सुगना मुंडा जर्मन धर्म प्रचारकों के सहायक थे, बिरसा का बचपन अपने घर में, ननिहाल में और मौसी की ससुराल में बकरियों को चराते हुए बीता। बाद में उन्होंने कुछ दिन तक चाईबासा के जर्मन मिशन स्कूल में शिक्षा ग्रहण की। परन्तु स्कूलों में उनकी आदिवासी संस्कृति का जो उपहास किया जाता था, वह बिरसा को सहन नहीं हुआ। इस पर उन्होंने भी पादरियों का और उनके धर्म का भी मजाक उड़ाना शुरू कर दिया। फिर क्या था। ईसाई धर्म प्रचारकों ने उन्हें स्कूल से निकाल दिया। इसके बाद बिरसा के जीवन में एक नया मोड़ आया। उनका स्वामी आनन्द पाण्डे से सम्पर्क हो गया और उन्हें हिन्दू धर्म तथा महाभारत के पात्रों का परिचय मिला।

जन-सामान्य का बिरसा में काफ़ी दृढ़ विश्वास हो चुका था, इससे बिरसा को अपने प्रभाव में वृद्धि करने में मदद मिली। लोग उनकी बातें सुनने के लिए बड़ी संख्या में एकत्र होने लगे। बिरसा ने पुराने अंधविश्वासों का खंडन किया। लोगों को हिंसा और मादक पदार्थों से दूर रहने की सलाह दी। उनकी बातों का प्रभाव यह पड़ा कि ईसाई धर्म स्वीकार करने वालों की संख्या तेज़ीसे घटने लगी और जो मुंडा ईसाई बन गये थे, वे फिर से अपने पुराने धर्म में लौटने लगे। बिरसा मुंडा ने किसानों का शोषण करने वाले ज़मींदारों के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा भी लोगों को दी। यह देखकर ब्रिटिश सरकार ने उन्हें लोगों की भीड़ जमा करने से रोका। बिरसा का कहना था कि मैं तो अपनी जाति को अपना धर्म सिखा रहा हूँ। इस पर पुलिस ने उन्हें गिरफ़्तार करने का प्रयत्न किया, लेकिन गांव वालों ने उन्हें छुड़ा लिया। शीघ्र ही वे फिर गिरफ़्तार करके दो वर्ष के लिए हज़ारीबाग़ जेल में डाल दिये गये।

कहा जाता है कि नवंबर, 1897 में जब बिरसा मुंडा को पूरे 2 साल 12 दिन जेल में बिताने के बाद रिहा किया जा रहा था, तब उनके दो और साथियों--डोंका मुंडा और मझिया मुंडा-को भी छोड़ा जा रहा था। ये तीनों साथ-साथ जेल के मुख्य गेट की तरफ़ बढ़ रहे थे, जेल के क्लर्क ने रिहाई के कागज़ात के साथ कपड़ों का एक छोटा-सा बंडल भी दिया। बिरसा ने अपने पुराने सामान पर एक नज़र डाली और वो ये देख कर थोड़े परेशान हुए कि उसमें उनकी चप्पल और पगड़ी नहीं थी। जब बिरसा के साथ डोंका ने पूछा कि बिरसा की चप्पल और पगड़ी कहाँ है, तो जेलर ने जवाब दिया कि कमिश्नर फ़ोर्ब्स के आदेश हैं कि हम आपकी चप्पल और पगड़ी आपको न दें क्योंकि सिर्फ़ ब्राह्मण, ज़मींदारों और साहूकारों को ही चप्पल और पगड़ी पहनने की इजाज़त है। इससे पहले कि बिरसा के साथी कुछ कहते बिरसा ने अपने हाथ के इशारे से उन्हें चुप रहने को कहा। जब बिरसा और उनके साथी जेल के गेट से बाहर निकले तो क़रीब 25 लोग उनके स्वागत में खड़े थे। उन्होंने बिरसा को देखते ही नारा लगाया, बिरसा भगवान की जय! बिरसा ने कहा आप सबको मुझे भगवान नहीं कहना चाहिए. इस लड़ाई में हम सब बराबर हैं। तब बिरसा के साथी भरमी ने कहा हमने

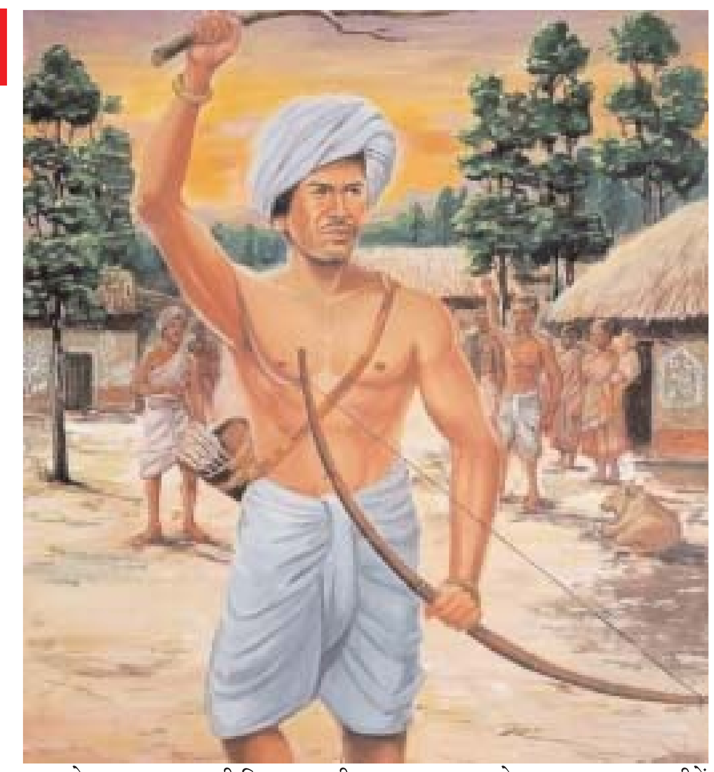

आपको एक दूसरा नाम भी दिया था धरती आबा. अब हम आपको इसी नाम से पुकारेंगे।

जेल से छूटने के बाद उन्होंने अपने अनुयायियों के दो दल बनाए। एक दल मुंडा धर्म का प्रचार करने लगा और दूसरा राजनीतिक कार्य करने लगा। नए युवक भी भर्ती किये गए। इस पर सरकार ने फिर उनकी गिरफ़्तारी का वारंट निकाला, किन्तु बिरसा मुंडा पकड़ में नहीं आये। इस बार का आन्दोलन बलपूर्वक सत्ता पर अधिकार के उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ा। यूरोपीय अधिकारियों और पादरियों को हटाकर उनके स्थान पर बिरसा के नेतृत्व में नये राज्य की स्थापना का निश्चय किया गया । 24 दिसम्बर, 1899 को उलगुलान आन्दोलन आरम्भ हुआ। तीरों से पुलिस थानों पर आक्रमण करके उनमें आग लगा दी गई। सेना से भी सीधी मुठभेड़ हुई, किन्तु तीर कमान गोलियों का सामना नहीं कर पाये। बिरसा मुंडा के साथी बड़ी संख्या में मारे गए। उनकी जाति के ही दो व्यक्तियों ने धन के लालच में बिरसा मुंडा को गिरफ़्तार करा दिया। 9 जून, 1900 ई. को जेल में उनकी मृत्यु हो गई। कहा जाता है कि उन्हें जहर दे दिया गया था तो कई इतिहासकार बुखार या संक्रमण भी मौत का कारण मानते हैं। बिरसा मुंडा की मृत्यु तो हो गई थी, लेकिन उनकी महान शख्सियत लोक गीतों और जातीय साहित्य में बिरसा मुंडा आज भी जीवित हैं।

देश मे आतंकवाद की बढ़ती निरंतर चुनौती के बीच गुजरात एटीएस की महत्वपूर्ण कार्रवाई

(लेखक -कांतिलाल मांडोत)

देश में आतंकवाद की निरंतर बढ़ती चुनौती के बीच, गुजरात एटीएस द्वारा हाल ही में की गई एक महत्वपूर्ण कार्रवाई ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया है। गुजरात एटीएस ने गांधीनगर के अडालज क्षेत्र से तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया, जिनका देशव्यापी आतंकी हमले की साजिश से संबंध पाया गया है।गिरफ्तार व्यक्तियों में एक डॉक्टर शामिल है, जो हैदराबाद का निवासी बताया गया। अभियुक्तों के कब्जे से दो गलोक पिस्टल, एक बेरेटा पिस्टल,30 जिंदा कारतूस तथा 4 लीटर अरंडी (कैस्टर) तेल बरामद हुआ।प्रारंभिक जांच से यह खुलासा हुआ कि इस तेल का इस्तेमाल अत्यंत विषैले पदार्थ ऋद्धष्द्धठ्ठ बनाने में किया जाना था, जिसे बड़े पैमाने पर जनहानि के लिए कार्य में लाया जा सकता था। आरोपियों ने बताया कि हथियार आपूर्ति करने के लिए पाकिस्तान सीमा के पास ड्रोन का उपयोग किया गया था।आरोपियों द्वारा दिल्ली, लखनऊ, अहमदाबाद समेत अन्य संवेदनशील जगहों की रेकी करने की बात सामने आई। गिरफ्तार डॉक्टर का नाम अहमद मोइनुद्दीन सैयद बताया गया है, जिसने स्क्वक्र- चीन से किया था और कथित रूप से इस साजिश में प्रमुख भूमिका निभा रहा था। अन्य दो आरोपियों का संबंध उत्तर प्रदेश के रहने वालों से है। प्रारंभिक पूछताछ में ये पता चला कि ये दोनों उत्तर प्रदेश निवासी व्यक्ति विभिन्न मॉड्यूल से सम्बद्ध हैं और हथियारों व विषैले पदार्थों की सप्लाई चेन में शामिल थे। आरोपियों ने देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादी हमले को अंजाम देने की योजना बनाई थी।हथियारों व विषैले पदार्थों का संयोजन इस तरह था कि बड़ी संख्या में जनहानि संभव हो सकती थी।

राज्य-स्तर के आतंकी मॉड्यूल के साथ अंतर-राष्ट्रीय कनेक्शन भी सामने आए हैं। जांच में कथित रूप से Islamic State Khorasan Province (ISKP) व अन्य अंतरराष्ट्रीय तंत्रों का नाम जुड़ा है। गुजरात एटीएस ने बताया कि इस पर पिछले एक साल से निगरानी चल रही थी। गिरफ्तारी के बाद संदिग्धों को यूएपीए के तहत कार्रवाई के दायरे में लिया गया है।

बिरसा मुंडा का उलगुलान - भारतीय समाज का स्वाभिमान

> **बिरसा मुंडा महान क्रांतिकारी थे, जनजातीय समाज को साथ लेकर उलगुलान किया था उन्होने। उलगुलान अर्थात हल्ला बोल, क्रांति का ही एक देशज नाम। वे एक महान संस्कृतिनिष्ठ समाज सुधारक भी थे, वे संगीतज्ञ भी थे जिन्होंने सूखे कद्दू से एक वाद्ययंत्र का भी अविष्कार किया था जो अब भी बड़ा लोकप्रिय है। इसी वाद्ययंत्र को बजाकर वे आत्मिक सुख प्राप्त करते थे व दलित, पीड़ित समाज को संगठित करने का कार्य भी करते थे।**

डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

ठीक वैसे ही जैसे भगवान श्रीकृष्ण अपनी बंशी से स्वांतः सुख व समाज सुख दोनों ही साध लेते थे। सूखे कद्दू से बना यह वाद्ययंत्र अब भी भारतीय संगीत जगत मे वनक्षेत्रों से लेकर बालीवूड तक बड़ी प्रमुखता से बनाया व बजाया जाता है। वस्तुतः बिरसा मुंडा की मूल कार्यशैली जनजातीय समाज को इसाइयों के धर्मांतरण से बचाने, अत्याचारों से समाज को बचाने, समाज मे व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने व शोषक वर्ग से समाज को बचाने की रही। भारतीय समाज का एक महत्वपूर्ण व अविभाज्य अंग रहा है जनजातीय समाज। मूलतः प्रकृति पूजक यह समाज सदा से भौतिकता, आधुनिकता व धनसंचय से दूर ही रहा है।

÷अबुआ दिशोम रे अबुआ राज÷ अर्थात अपनी धरती अपना राज का नारा दिया था वीर बिरसा मुंडा ने।

वीर शिरोमणि बिरसा की जयंती के अवसर बिरसा के राष्ट्र हेतु प्राणोत्सर्ग करने की कहानी पढ़ने के साथ साथ यह भी स्मरण करने का अवसर है कि अब स्वतंत्र भारत मे अर्थात अबुआ दिशोम मे जनजातीय व वनवासी बंधुओं के साथ, उनकी संस्कृति के साथ क्या क्या षड्यंत्र हो रहे हैं?

वस्तुतः जनजातीय समाज के समक्ष अब भी बड़ी चुनौतियाँ वैचारिक व सांस्कृतिक स्तर पर लगातार रखी जा रही है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है समूचे भारत मे फैलाया जा रहा आर्य व अनार्य का विघटनकारी वितंडा।

कथित तौर पर आर्य कहे जाने वाले लोग भी भारत मे उतने ही प्राचीन हैं जितने कि अनार्य का दर्जा दे दिये गए जनजातीय समाज के लोग। वस्तुतः वनवासी समाज को अनार्य कहना ही एक अपशब्द की भांति है, क्योंकि आर्य का अर्थ होता है सभ्य व अनार्य का अर्थ होता है असभ्य। सच्चाई यह है कि भारत का यह वनवासी समाज पुरातन काल से ही सभ्यता, संस्कृति, कला, निर्माण, राजनीति, शासन व्यवस्था, उत्पादकता और सबसे बड़ी बात राष्ट्र व समाज को उपादेयता के विषय मे किसी भी शेष समाज के संग कदम से कदम मिलाकर चलता रहा है व अब भी चल रहा है।

अपने विभेदकारी लक्ष्य की पूर्ति हेतु पश्चिमी विद्वानों ने भारतीय जातियो मे विभेद उत्पन्न करना उत्पन्न किया व द्रविड़ों को भारत का मूलनिवासी व आर्यों को बाहरी आक्रमणकारी कहना प्रारंभ किया। ईसाइयों ने अपने धर्म की श्रेष्ठता सिद्ध करने हेतु इस प्रकार के षड्यन्त्र रचना सतत चालू रखे। विदेशियों ने ही भारत के इतिहास लेखन मे इस बात को दुराशय पूर्वक बोया कि आर्य विदेश से आई हुई एक जाति थी जिसने भारत के मूलनिवासी द्रविड़ समाज की सभ्यता को आक्रमण करके पहले नष्ट भ्रष्ट किया व उन्हे अपना गुलाम बनाया। जबकि यथार्थ है कि आर्य किसी जाति का नहीं बल्कि एक उपाधि का नाम था जो कि किसी विशिष्ट व्यक्ति को उसकी विशिष्ट योग्यताओं, अध्ययन या सिद्धि हेतु प्रदान की जाती थी। आर्य शब्द का सामान्य अर्थ होता है विशेष। पहले अंग्रेजों ने व स्वातंत्र्योत्तर काल मे अंग्रेजों द्वारा लादी गई शिक्षा पद्धति ने भारत मे लगभग छः दशकों तक इसी दूषित, अशुद्ध व दुराशयपूर्ण इतिहास का पठन पाठन चालू रखा।

भारत मे इसी दूषित शिक्षा पद्धति ने आर्यन इंवेजन थ्योरी की स्थापना की व सामाजिक विभेद के बीज लगातार बोये। जर्मनी मे जन्में किंतु संस्कृत के ज्ञान के कारण अंग्रेजों द्वारा भारत बुलाये गए मेक्समूलर ने आर्यन इन्वेजन थ्योरी का अविष्कार किया। मेक्समूलर ने लिखा कि आर्य एक सुसंस्कृत, शिक्षित, बड़े विस्तृत धर्म ग्रन्थों वाली, स्वयं की लिपि व भाषा वाली घुमंतू किंतु समृद्ध जाति थी। इस प्रकार मैक्समूलर ने आर्य इंवेजन थ्योरी के सफ़ेद झूठ का पौधा भारत मे बोया जिसे बाद मे अंग्रेजी शिक्षा पद्धति ने एक बड़ा वृक्ष बना दिया। यद्द्दिप बाद मे 1921 मे हड़प्पा व मोहनजोदाड़ो सभ्यता मिलने के बाद आर्यन थ्योरी को बड़ा धक्का लगा किंतु अंग्रेजों ने अपनी शिक्षा पद्धति, झूठे इतिहास लेखन व षड्यन्त्र के बल पर इस थ्योरी को जीवित रखा। सबसे बड़ी खेद की बात यह है कि अंग्रेजों के जाने के पश्चात भारत मे एक बड़ा वर्ग ऐसा जन्मा जो कहने को तो भारतीय संतति ही है किंतु उसकी मानसिकता भारत विरोधी है। यह वर्ग सेकुलर, नक्सलवादी, माओवादी, बुद्धिजीवी, प्रगतिशील, जनवादी, आदि आदि नामों से आपको यहाँ वहाँ समाज सेवा के नाम पर समाज व देश को तोड़ते हुये बड़ी सहजता से मिल जाएगा। सिंधु घाटी सभ्यता की श्रेष्ठता को छुपाने व आर्य द्रविड़ के मध्य विभाजन रेखा खींचने की यह कथा बहुत विस्तृत चली व अब भी इस कथित विघ्नसंतोषी वर्ग द्वारा चलाई जा रही है किंतु इन्हे हमारा समाज अब भी चिन्हित नहीं कर पाया है। आज सबसे महती आवश्यकता इस बात की है कि वनवासी समाज मे घुसपैठ कर रहे इस कालनेमी वर्ग को पहचानना और उनके देशविरोधी, समाज विरोधी चरित्र पर ढके हुये छदम आवरण को हटाना। इस विघ्नसंतोषी वर्ग की बातों को अलग कर यदि हम भारत के जनजातीय समाज व अन्य समाजों मे परस्पर एकरूपता की बात करें तो कई कई अकाट्य तथ्य सामने आते हैं। कथित तौर पर जिन्हे आर्य व द्रविड़ अलग अलग बताया गया उन दोनों का डीएनए परस्पर समान पाया गया है। दोनों ही शिव के उपासक हैं। प्रसिद्ध एन्थ्रोपोलाजिस्ट वारियर एलविन, जो कि अंग्रेजों के एडवाइजर थे, ने जनजातीय समाज पर किए अध्ययन मे बताया था कि ये कथित आर्य और द्रविड़ शैविज़्म के ही एक भाग है और गोंडवाना के आराध्य शंभूशेक भगवान शंकर का ही रूप हैं। ऐसे वीर हजारों जनजातीय बंधुओं के नाम इतिहास में लिखे हैं जिनने अपना सर्वस्व भारत देश की संस्कृति व हिंदुत्व की रक्षा के लिये अर्पण कर दिया।

गौपालन व गौ सरंक्षण का संदेश बिरसा मुंडा जी ने भी समान रूप से दिया है। और तो और क्रांतिसूर्य बिरसा मुंडा का ÷उलगुलान÷ संपूर्णतः हिंदुत्व आधारित ही है। ईश्वर यानी सिंगबोंगा एक है, गौ की सेवा करो एवं समस्त प्राणियों के प्रति दया भाव रखो, अपने घर में तुलसी का पौधा लगाओ, ईसाइयों के मोह जाल में मत फंसो, परधर्म से अच्छा स्वधर्म है, अपनी संस्कृति, धर्म और पूर्वजों के प्रति अटूट श्रध्दा रखो, गुरुवार को भगवान सिंगबोंगा की आराधना करो व इस दिन हल मत चलाओ यह सब संदेश भगवान बिरसा मुंडा ने दिये हैं। जिन्हे आर्य कहा गया वे और वे जिन्हे अनार्य कहा गया वे, दोनों ही वन, नदी, पेड़, पहाड़, भूमि, गाय, बैल, सर्प, नाग, सूर्य, अग्नि आदि की पूजा हजारों वर्षों से करते चले आ रहें हैं। ऐसी स्थिति मे हम समस्त भारतीयों का यह कर्तव्य बनता है की आर्य विरुद्ध अनार्य के इस विघटनकारी विमर्श से इस देश को मुक्ति दिलाएँ व एकरस, एकरूप व एकात्म होकर राष्ट्रनिर्माण मे अपना अपना योगदान दें।

कोतमा पुलिस ने बरामद किए 31 चोरी के मोबाइल

मोबाइल दुकान से 5.50 लाख की चोरी करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। जिले को कोतमा पुलिस ने शुक्रवार को मोबाइल दुकान से चोरी हुए 31 मोबाइल फोन बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने चोरी करने वाले शातिर आरोपी और चोरी का मोबाइल खरीदने वाले एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह चोरी 31 अक्टूबर की रात को हुई थी।

छत का टीना हटाकर दुकान में घुसा था चोर: मुखर्जी चौक स्थित जय माताजी मोबाइल दुकान में अज्ञात चोर देर रात छत का टीना हटाकर घुस गया था और वहां से 31 नए और महंगे मोबाइल फोन चुरा ले गया था। फरियादी पंकज गुप्ता, निवासी वार्ड क्रमांक 04, ने इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

साइबर सेल की मदद से सुराग मिला: पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। साथ ही साइबर सेल की तकनीकी मदद से आरोपी की पहचान की गई। जुटाए गए इनपुट के आधार पर पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी गुलशन कुमार जायसवाल (22), निवासी ग्राम बिलटुकरी, थाना जैतपुर (शहडोल), को छत्तीसगढ़ के बैकुंठपुर से गिरफ्तार किया।

5.50 लाख रुपए के मोबाइल बरामद: कड़ाई से पूछताछ में गुलशन ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। उसके पास से सभी 31 मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनकी कुल कीमत लगभग 5 लाख 50 हजार रुपये है। पूछताछ में उसने बताया कि चोरी का एक मोबाइल उसने अपने साथ होटल में काम करने वाले विजय सिंह राजपूत को बेचा था। पुलिस ने विजय सिंह को भी गिरफ्तार कर वह मोबाइल बरामद कर लिया।

पहले भी जेल जा चुका है आरोपी: गुलशन जायसवाल पहले भी अपराधों में शामिल रहा है। वर्ष 2022 में वह थाना जैतपुर के एक हत्या प्रकरण में शहडोल जेल में रह चुका है। उसने बताया कि घटना से तीन दिन पहले वह कोतमा आकर मोबाइल दुकान की रेकी कर गया था। चोरी की रात बैकुंठपुर से ट्रेन से कोतमा आया और चोरी कर टेम्पो से बिजुरी पहुंचा, जहां से ट्रेन पकड़कर वापस बैकुंठपुर लौट गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा

शासकीय हाई स्कूल पाराडोल में जल जीवन मिशन पर निबंध प्रतियोगिता एवं रैली का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत आज लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत पाराडोल स्थित शासकीय हाई स्कूल पाराडोल में किया गया। यह कार्यक्रम धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती (15 नवम्बर) को समर्पित रहा। उनकी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय समाज के योगदान को सम्मान देना तथा विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाना रहा।

इस अवसर पर विद्यालय में 'जल जीवन मिशन' विषय पर हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और जल संरक्षण, ग्रामीण जलापूर्ति, जल स्वच्छता तथा जल जीवन मिशन के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों के निबंध न केवल उनकी समझ को दर्शाते थे, बल्कि यह भी स्पष्ट कर रहे थे कि युवा पीढ़ी जल संरक्षण जैसे संवेदनशील विषयों को लेकर कितनी सजग है।

निबंध प्रतियोगिता के साथ ही जागरूकता रैली भी निकाली गई। रैली में स्कूल के विद्यार्थियों ने जल बचाओ, स्वच्छ पानी-स्वस्थ जीवन, पानी है तो कल है जैसे संदेशों के साथ ग्रामीणों को जागरूक किया। बच्चों में रैली को लेकर विशेष उत्साह देखा गया और उन्होंने पूरे जोश के साथ सहभागिता निभाई। पूरे कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण की भावना को मजबूत करना, जल संसाधनों के महत्व को समझाना तथा भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों को आत्मसात करना था। कार्यक्रम विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों और उपस्थित अधिकारियों के सहयोग से हर्षोल्लास पूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में आरएएमपी योजना के तहत जीईएम कार्यशाला सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देश एवं मार्गदर्शन में जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में राइजिंग एंड एक्सीलेरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस योजना के अंतर्गत सरकारी विभागों एवं कार्यालयों में (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) पोर्टल के माध्यम से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों से सामग्री क्रय को बढ़ावा देने हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ स्थित जनपद पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक त्रिपुरारी राम कश्यप ने की। कार्यशाला दो सत्रों में आयोजित हुई - प्रथम सत्र दोपहर 12 बजे एवं द्वितीय सत्र दोपहर 3 बजे से प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण का संचालन रायपुर से आए मास्टर ट्रेनर श्री राकेश तिवारी ने किया। उन्होंने तद्रूपोर्टल के माध्यम से क्रेता ऑनबोर्डिंग, निविदा दस्तावेज तैयार करने, प्रकाशित करने और खोलने की संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।

द्वितीय सत्र में अपर कलेक्टर नम्रता आनंद डोंगरे उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि तद्रूपोर्टल के माध्यम से क्रय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सरल और समयबद्ध बनती है, जिससे स्थानीय स्वस्थ इकाइयों को अवसर प्राप्त होते हैं। उन्होंने विभागीय क्रय में पारदर्शिता और स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। एमएसएमई इकाइयों के लिए आयोजित विशेष सत्र में विक्रेता पंजीयन, उत्पाद कैटलॉग तैयार करने तथा निविदा प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ाने के विषय में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

आज मनाया जाएगा जनजातीय गौरव दिवस, बिरसा मुंडा जयंती पर जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियां पूरी

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में 15 नवंबर को होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम और जनजातीय समुदाय के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों पर बात की।

शासकीय एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अनूपपुर में होगा कार्यक्रम: जिला स्तरीय कार्यक्रम 15 नवंबर को शासकीय एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अनूपपुर में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन होगा, जिसमें जनजातीय संस्कृति और विकास को प्रदर्शित किया जाएगा। कलेक्टर ने बताया कि बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में 1 नवंबर से ही जिले में कई कार्यक्रम शुरू हो गए थे। इनमें जनजातीय क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से जनजातीय गौरव रथ यात्रा निकाली गई। साथ ही, विभिन्न विद्यालयों में चित्रकला, रंगोली और निबंध जैसी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

स्वसहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी: मुख्य कार्यक्रम में विभिन्न विभागीय योजनाओं और स्वसहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन भी होगा। विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्बोधन का सीधा प्रसारण देखने और सुनने की व्यवस्था भी की जाएगी।

विकास कार्यों की भी दी जानकारी: कलेक्टर ने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत जिले में चल रहे विकास कार्यों की भी जानकारी दी। इस कार्यक्रम के तहत पक्के आवास, आंगनवाड़ी केंद्र, गांवों तक सड़क, बहुउद्देशीय सामुदायिक केंद्र, दूरस्थ गांवों तक मोबाइल मेडिकल यूनिट, शिक्षा के लिए छात्रावास, हर घर बिजली और हर घर नल से जल जैसी सुविधाओं से लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है।

महाराष्ट्र के बीड में कोरबा के दो मजदूरों की मौत, तीन घायल

कोरबा, एजेंसी। महाराष्ट्र के बीड जिले में हुए एक सड़क हादसे में कोरबा के दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। ये सभी बाकी मोगरा थाना क्षेत्र के निवासी थे और महाराष्ट्र में एक फैक्ट्री में काम करने जा रहे थे। मृतकों की पहचान सुशांत प्रसाद केवट (पिता लक्ष्मण प्रसाद केवट, पत्ता कुदरी पारा मंदिर चौक, बाकी मोगरा) और प्रशांत सिंह (पिता तारा सिंह, जंगल साईड, बाकी मोगरा) के रूप में हुई है। इस हादसे में सनी चव्हाण, विशाल शाबू और राजा यादव घायल हुए हैं, ये सभी भी बाकी मोगरा के ही निवासी हैं।

जज के घर पथराव-तोड़फोड़ मामले में 3 पुलिसकर्मी सस्पेंड

हाईकोर्ट से फटकार के बाद एसपी ने की कार्रवाई, बोले-गश्त में लापरवाही से हुई थी घटना

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। जिले के कोतमा में न्यायिक मजिस्ट्रेट के घर पर हुए पथराव और तोड़फोड़ के मामले में तीन भालूमाड़ा थाना प्रभारी संजय खलको, एक प्रधान आरक्षक और एसआई को सस्पेंड किया है। हाईकोर्ट की फटकार के बाद तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। यह घटना 25 अक्टूबर को हुई थी। 25 अक्टूबर की रात कोतमा के न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी अमनदीप सिंह छाबड़ा के भालूमाड़ा स्थित शासकीय निवास पर अज्ञात आरोपियों ने पथराव किया था। इस दौरान न्यायाधीश के साथ गाली-गलौज की गई, उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई और उनके सरकारी आवास में तोड़फोड़ भी की गई थी।

आरोपियों ने बेल में देरी होने से किया था पथराव: बता दें कि कोतमा के जज अमनदीप सिंह छाबड़ा के घर पर पथराव के मामले में पुलिस ने 24 घंटे के अंदर प्रियांशु सिंह उर्फ जेगू यादव, देवेंद्र केवट उर्फ सोनू, मनीकेश उर्फ सूतन को गिरफ्तार कर लिया था। ये सभी आरोपी भालूमाड़ा के रहने वाले हैं। प्रियांशु सिंह का मारपीट मामले में कोतमा के जज जज अमनदीप सिंह छाबड़ा से बेल नहीं दी थी। आरोपियों को एक हफ्ते के बाद एडीजे कोर्ट से जमानत मिल गई थी। जिसके बाद उन्होंने जज के घर पर पथराव किया था। इस मामले पर पहले थाना प्रभारी संजय खलको को लाइन अटैच थे। अब उन्हें सस्पेंड कर दिया गया है।

घटना के बाद थाना प्रभारी संजय खलको को लाइन अटैच किया था: घटना के बाद पुलिस की शुरुआती कार्रवाई में लापरवाही सामने आई थी, जिसके चलते भालूमाड़ा थाना प्रभारी संजय खलको को लाइन अटैच किया गया था। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए अनूपपुर के पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान को तलब किया और कड़ी फटकार लगाई।

इसके बाद गुरुवार रात को थाना प्रभारी संजय खलको के साथ प्रधान आरक्षक सुरेंद्र शर्मा और सहायक उप निरीक्षक रविशंकर गुप्ता को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर रक्षित केंद्र अनूपपुर संबद्ध कर दिया गया। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

पुलिस अधीक्षक ने बोले- गश्त ड्यूटी में लापरवाही से हुई थी घटना: पुलिस अधीक्षक ने अपने आदेश में बताया कि 25 अक्टूबर की रात न्यायिक मजिस्ट्रेट के निवास पर हुई घटना प्रथमदृष्टया सहायक उप निरीक्षक रविशंकर गुप्ता और प्रधान आरक्षक सुरेंद्र शर्मा की ओर से रात्रि गश्त ड्यूटी में सजगता न बरतने और अपने पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में घोर लापरवाही का परिणाम है। वहीं, कार्यवाहक निरीक्षक संजय खलको, थाना प्रभारी भालूमाड़ा द्वारा घटना के संबंध में तत्काल आपराधिक प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही न करने और अपराध पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई न करने को भी मध्य प्रदेश पुलिस रेगुलेशन के नियम 64(2) का उल्लंघन माना गया है।

हाथी का उत्पात जारी, 10 दिन में 15 से ज्यादा किसानों की फसलें बर्बाद की; घरों में तोड़फोड़ कर रहा

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। जिले में छत्तीसगढ़ की सीमा पार कर आए एक नर हाथी का उत्पात लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले 10 दिनों से यह हाथी दिन में चोलना और धनगवां के जंगलों में रहता है, जबकि शाम होते ही ग्रामीणों के खेतों में घुसकर धान की फसलों को नुकसान पहुंचाता है। रात के समय यह हाथी कई घरों में भी तोड़फोड़ कर रहा है, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। वन विभाग इसकी लगातार निगरानी कर रहा है।

फसलों पर कहर, 15 से ज्यादा किसान प्रभावित: 5 नवंबर की रात से अब तक हाथी 15 से अधिक किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा चुका है। गांवों के कई हिस्सों में धान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। प्रभावित किसानों में हीरालाल सिंह, रमेश सिंह, अंबिका सिंह, छोटे सिंह के पिता पटेल, धन सिंह के पिता मग्घू, अमर सिंह, अमोल सिंह (ग्राम चोई के भलुवानघर टोला), छग्गू पिता भागीरथी सिंह, चला बाई पति अर्जुन सिंह, सीताराम राठौर, सुशील राठौर, पूरन राठौर, छग्गू सिंह, प्रेमसाय राठौर, डेमन सिंह, मेघनंद पिता रामा, अमृतिया पति कुंदन और बाबूलाल पिता भोला के नाम शामिल हैं।

घरों की दीवारें तक उखाड़ डालीं: हाथी ने खेतों के साथ कई किसानों के उपकरण भी नष्ट कर दिए। चोई के भलुवानघर टोला निवासी छग्गू पिता भागीरथी सिंह के खेत में लगे बोरवेल मशीन और पाइपों को दो बार तोड़ दिया गया। कुकुरगोड़ा के मंटोलियाटोला निवासी बालकराम कोल के घर में भी दो बार तोड़फोड़ की गई।

इसके अलावा, छग्गू सिंह के घर की दो दीवारें हाथी ने गिरा दीं। गुरुवार रात को भलुवानघर टोला में बुद्ध पिता मैकू अगरिया और संतोष पिता सीताशरण कोल के घरों में भी घुसकर हाथी ने काफी नुकसान पहुंचाया।

जनकपुर में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत कहानी एवं भाषण प्रतियोगिता सम्पन्न

'हर बालिका राष्ट्र की पूंजी' थीम पर छात्राओं ने रचे सपनों का भविष्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के अंतर्गत आज शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, जनकपुर में बाल दिवस के उपलक्ष्य में प्रेरणादायी एवं सृजनात्मक कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

बालिकाओं ने प्रस्तुत किए अपने भविष्य के सुनहरे सपने: कार्यक्रम की प्रमुख थीम 'हर बालिका राष्ट्र की पूंजी' रही। कहानी लेखन प्रतियोगिता का विषय 'मेरे सपनों का भविष्य' रखा गया, जिसमें बालिकाओं ने अपने विचारों, सपनों और आकांक्षाओं को प्रभावशाली शब्दों में अभिव्यक्त किया। उनकी कहानियों में आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास, समानता और सशक्त भारत के निर्माण की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

अभिव्यक्ति और आत्मबल को मिली नई दिशा: इस आयोजन का मूल उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, उनकी सोच को सकारात्मक दिशा देना और उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करना था। प्रतियोगिता में छात्राओं ने यह साबित किया कि अवसर मिलने पर हर बालिका अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए परिवर्तन की धारा बन सकती है।

अधिकारियों की प्रेरक उपस्थिति: कार्यक्रम जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा ने किया। इस अवसर पर मिशन शक्ति, महिला एवं बाल विकास विभाग से वित्तीय साक्षरता समन्वय विशेषज्ञ अनीता कुमारी शाह, सखी वन स्टॉप सेंटर की काउंसलर अमीषा कुशवाहा, तथा विधिक सेवा प्राधिकरण से अंजनी यादव विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उनकी सहभागिता ने कार्यक्रम की प्रभावशीलता में वृद्धि की।

उत्साह को मिला सम्मान: प्रतियोगिता में बालिकाओं के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन की सराहना की गई। निर्णायकों द्वारा श्रेष्ठ कहानियों का चयन किया गया और सभी प्रतिभागी छात्राओं को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। विद्यालय के प्राचार्य वीरेंद्र कुमार चौधरी सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ दीं तथा कहा कि ऐसे आयोजन न केवल बालिकाओं का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संदेश भी प्रसारित करते हैं।

खड़गवां में ऋण आउटरीच कार्यक्रम सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खड़गवां ब्लॉक में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा आज कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र के किसानों, स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उद्यमियों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाना तथा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देना रहा। कार्यक्रम में सेंट बफ्फ्रुद प्रोसेसिंग योजना, सेंट पोल्ट्री योजना और सेंट कोल्ड स्टोरेज योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। बैंक अधिकारियों ने बताया कि ये योजनाएँ कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन, रोजगार सृजन और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

वित्तीय साक्षरता पर विशेष सत्र: ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय जागरूकता बढ़ाने हेतु वित्तीय साक्षरता सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें डिजिटल बैंकिंग, सुरक्षित लेनदेन, ऋण सुविधाएँ, बचत खाते और सरकारी वित्तीय योजनाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी जीतू, परसराम और संजीव द्वारा दी गई। ग्रामीणों ने बताया कि इस सत्र ने उन्हें आधुनिक बैंकिंग की उपयोगी जानकारी प्रदान की है।

मंदसौर मंडी में तमिलनाडु के व्यापारी का अपहरण : आपसी लेन-देन का मामला, लहसुन खरीदने आया था; पुलिस ने तलाश शुरू की

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर जिले के पिपलियामंडी में गुरुवार दोपहर तमिलनाडु के एक व्यापारी का अपहरण कर लिया गया। यह घटना फोरलेन पर स्थित बही टोल प्लाजा के समीप पटेल होटल के सामने हुई। व्यापारी लहसुन की खरीद के लिए कृषि उपज मंडी आए थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। व्यापारी की तलाश में टीआई के नेतृत्व में टीम रवाना की गई है। जानकारी के मुताबिक, शब्बीर अपने साथियों के साथ मंदसौर मंडी में लहसुन की खरीद-फरोख्त के सिलसिले में आए थे। लेन-देन पूरा होने के बाद वे पटेल होटल में ठहरे हुए थे। गुरुवार को जब वह अपने साथियों के साथ मंदसौर की ओर रवाना हुए, तभी स्कॉर्पियो में सवार कुछ लोग उनके पास आए और किसी बात को लेकर विवाद करने लगे।

देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने व्यापारी के साथ मारपीट की। इसके बाद वे शब्बीर को जबरन अपने वाहन में बैठाकर फरार हो गए।आपसी लेन-देन का विवाद हो सकता है व्यापारी के साथियों ने किसान नेता श्यामलाल जोकचंद के साथ मौके पर जाकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार यह मामला आपसी लेन-देन विवाद से जुड़ा हो सकता है। जांच के लिए आवेदन लेकर अपहृत व्यापारी की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि घटना में शामिल वाहन और आरोपियों की पहचान की जा सके।

पिपलियामंडी टीआई संदीप मंगोलिया बताया कि अभी भी दोनों पक्षों के बीच पैसे के लेन देन को लेकर आलोट थाने पर बातचीत चल रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जो लोग तमिलनाडु निवासी व्यापारी को पिपलियामंडी से साथ ले गए थे वह आलोट के ही निवासी हैं।

वहीं एडिशनल एसपी तेर सिंह बघेल से मिली जानकारी के मुताबिक आलोट के रहने वाले किसान तमिलनाडु के विल्लूपुरम निवासी व्यापारी शब्बीर नारंग पिता कालिदास नारंग पर लहसुन के बकाया 8 से 10 लाख रुपए मांग रहे थे। किसानों को सूचना मिली कि व्यापारी मंदसौर आए हुए हैं इसी दौरान पिपलिया मंडी स्थित होटल पटेल पहुंचे और व्यापारी से पैसे की मांग करने लगे इसी दौरान विवाद बड़ा और किसान व्यापारी को अपने साथ ले गए। किसान व्यापारी को लेकर आलोट थाने पहुंचे इसके बाद पिपलिया मंडी पुलिस आलोट पहुंची और दोनों पक्षों को पिपलिया मंडी लाया गया। ताजा जानकारी के मुताबिक फिलहाल किया है।

एमपी में ग्राम पंचायत खुद बनाएंगी हाउसिंग प्रोजेक्ट: शहरों का सीवेज वाटर और कचरा गांवों में जाता है

भोपाल, एजेंसी। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर जैसे एमपी के बड़े शहरों से सटी ग्राम पंचायतें नगर निगम, हाउसिंग बोर्ड, जैसे हाउसिंग बोर्ड जैसे आवासीय प्रोजेक्ट डेवलप कर सकेंगी। शहरों से लगे सेमी अर्बन एरिया के डेवलपमेंट के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने एक प्रस्ताव बनाया है। इस प्लान के लागू होने के बाद इन ग्राम पंचायतों में न केवल नियोजित विकास होगा, बल्कि पंचायतें आर्थिक रूप से मजबूत भी होंगी। 16 शहरों से लगी 273 पंचायतें चिह्नित पंचायत विभाग ने एमपी के 16 नगर निगम भोपाल, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा, देवास, खंडवा, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, कटनी, मुरैना, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, सिंगरौली, उज्जैन की शहरी सीमा से लगी करीब 273 ग्राम पंचायतें सेमी अर्बन एरिया डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए चिह्नित की हैं। भोपाल के आसपास सटे इलाकों में होगा डेवल पमेंट। एमपी के पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल की पहल पर विभाग द्वारा बनाए गए ड्राफ्ट को इसी महीने के अंतिम सप्ताह में अंतिम मंजूरी मिल जाएगी।

रतलाम में लोडिंग वाहन से 33 पेटी अवैध शराब जब्त:ड्राइवर गिरफ्तार, क्लीनर फरार; 1.16 लाख रुपए की शराब पकड़ी गई

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के बाजना थाना पुलिस ने चिराखांदन रोड पर घेराबंदी कर एक लोडिंग वाहन (MP43-ZL-0121) से 33 पेटी अवैध शराब पकड़ी। वाहन रोकते ही क्लीनर साइड पर बैठा व्यक्ति अंधेरे में खेतों की ओर भाग गया, जबकि ड्राइवर को पुलिस ने पकड़ लिया। जब्त शराब की कीमत 1 लाख 16 हजार रुपए है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक फोर व्हीलर चिराखांदन रोड से अवैध शराब लेकर गुजरने वाला है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी मनीष डाबर ने पुलिस टीम के साथ घेराबंदी की। लोडिंग वाहन आता दिखा, जिसे रोकने का प्रयास किया। वाहन रोकते ही क्लीनर साइड पर बैठा व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर खेतों की ओर भाग गया। पीछा भी किया लेकिन वह पुलिस को चकमा देकर भाग गया। वाहन ड्राइवर को पकड़ लिया गया। उसने अपना नाम रायचंद पिता लालु निनामा, निवासी तलीनखेड़ा थाना बाजना का बताया।

तलाशी लेने पर मिली शराब : वाहन की तलाशी लेने पर पीछे खाकी रंग की सील बंद पेटियां रखी हुई मिलीं। 25 पेटियों में पावर 10000 बीयर की 600 कैन सील बंद मिली। 08 पेटियों में देशी प्लेन शराब के 400 क्वार्टर कुल 72 बल्क लीटर शराब पाई गई। कुल 33 पेटियों में 372 बल्क लीटर शराब बरामद की।

परमिट नहीं मिलने पर केस दर्ज : पुलिस ने चालक से परिवहन संबंधी लाइसेंस या परमिट मांगा, लेकिन वह कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका। इस पर उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया।

मंदसौर में बाइक-कार की टक्कर में युवक की मौत-उदयपुर जाते समय रास्ते में दम तोड़ा, भाई को बस मे बैठाकर लौट रहा था

मंदसौर,एजेंसी। मंदसौर के पिपलियामंडी में गुरुवार शाम महू-नीमच फोरलेन पर सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब वह अपने भाई को बस में बैठाकर लौट रहा था। मृतक की पहचान राजगढ़ जिले के सारंगपुर के मयंक जोशी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मयंक अपने बड़े भाई देवेंद्र को महू-नीमच राजमार्ग पर बही फंटे से बस में बैठाकर घर लौट रहा था। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और मयंक सड़क पर दूर जा गिरा। राहगीरों ने तुरंत पुलिस और परिजनों को सूचना दी। घायल मयंक को एम्बुलेंस से मंदसौर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे उदयपुर रेफर कर दिया। परिजन उसे उदयपुर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही मंगलवाड़ के पास मयंक ने दम तोड़ दिया। मयंक के बड़े भाई ने बताया कि मयंक ने मुझे बस में बैठाने के बाद कहा था 'दीदी को नमस्ते बोल देना।' कुछ ही मिनट बाद दुर्घटना की सूचना मिली। परिवार में शोक का माहौल है। स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार चालक की तलाश शुरू कर दी है। अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बालाघाट में गर्म पानी से झुलसी बच्ची की मौत:खेलते-खेलते पानी की बाल्टी पलटी, इलाज के दौरान तोड़ा दम

बालाघाट, एजेंसी। बालाघाट जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र के खारा गांव में गर्म पानी से झुलसने के कारण तीन वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। बच्ची का नाम भव्या उके था, जो कृष्णा उके की बेटी थी। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना गुरुवार दोपहर की है, जब भव्या के पिता घर पर नहीं थे। घर में मां और परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे। परिवार के किसी सदस्य के नहाने के लिए बाल्टी में गर्म पानी रखा हुआ था। खेलते-खेलते भव्या उस बाल्टी तक पहुंच गई और उसे पकड़ने की कोशिश की। इसी दौरान बाल्टी का पूरा गर्म पानी उस पर गिर गया। गर्म पानी गिरने से भव्या का सीना, हाथ और कमर का ऊपरी हिस्सा बुरी तरह झुलस गया। परिजन उसे तुरंत पहले गांव के डॉक्टर के पास ले गए। वहां से उसे बालाघाट के जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी। जिसके बाद गुरुवार रात को जिला अस्पताल में उपचार के दौरान भव्या की मौत हो गई। शुक्रवार को अस्पताल चौकी पुलिस ने डॉक्टर की तहरीर पर शव बरामद किया। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। अस्पताल चौकी प्रभारी ईश्वरदयाल पटले ने बताया कि परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया गया है। मामले की मर्ग डायरी तैयार कर किरनापुर थाना भेजी जाएगी, जहां आगे की जांच की जाएगी।

नवंबर में रिकॉर्ड बना रही सर्दी...पारा 8 डिग्री तक पहुंचा:भोपाल में 7 रातों से तापमान 9 डिग्री से कम; इंदौर-राजगढ़ भी ठंडे

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश में नवंबर में ही सर्दी ने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। गुरुवार-शुक्रवार की रात शिवपुरी सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 8 डिग्री तक पहुंच गया। दूसरी ओर, भोपाल और इंदौर में पारे में थोड़ी बढ़ोतरी हुई, लेकिन ये 10 डिग्री के नीचे ही रहे। मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल में तापमान 9.6 डिग्री रहा। पिछले सात दिन से पारा 8 डिग्री के आसपास था। इस वजह से ठंड का असर ज्यादा दिखाई दे रहा था। इंदौर में भी पारा 8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबलपुर में 9.4 डिग्री, ग्वालियर में 10.5 डिग्री और उज्जैन में 11.8 डिग्री रहा। दूसरी ओर, छतरपुर के नौगांव और राजगढ़ में 8.2 डिग्री, उमरिया में 8.6 डिग्री, रीवा में 8.8 डिग्री, छिंदवाड़ा और बालाघाट के मलाजखंड में तापमान 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि मंडला में 9.6 डिग्री रहा।

जमीनी विवाद में बड़े भाई की हत्या : छतरपुर में छोटे भाई ने परिवार पर किया हमला, तीन घायल, आरोपी गिरफ्तार

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर भगवां थाना क्षेत्र के घुवारा चौकी अंतर्गत कटोरा गांव में बुधवार देर रात जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों के बीच हुआ झगड़ा हिंसक रूप ले लिया। छोटे भाई दशरथ अहिरवार ने कुल्हाड़ी से वार कर बड़े भाई चुन्नू अहिरवार (60) की हत्या कर दी। घटना में चुन्नू के परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी दशरथ को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, चुन्नू और दशरथ के बीच लंबे समय से जमीन का विवाद चल रहा था। बुधवार रात दोनों में कहासुनी बढ़ गई, जिसके बाद दशरथ ने गुस्से में आकर कुल्हाड़ी से चुन्नू के सिर पर वार कर दिया। चुन्नू की मौके पर ही मौत हो गई।

बचाने पहुंचे परिजनों पर भी हमला : जब चुन्नू की पत्नी कल्लू बाई, बेटा सुरेंद्र और बेटी सावित्री उन्हें बचाने पहुंचे, तो दशरथ ने उन पर भी हमला कर दिया। तीनों को घायल अवस्था में घुवारा अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने चुन्नू को मृत घोषित किया, जबकि सुरेंद्र को गंभीर हालत में टीकमगढ़ जिला अस्पताल रेफर किया गया है। कल्लू बाई और सावित्री का इलाज घुवारा में जारी है। मृतक के दामाद राहुल ने बताया कि दोनों भाइयों के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था और बुधवार शाम भी झगड़ा हुआ था, जो रात में बढ़ गया। घुवारा चौकी प्रभारी कृपाल मार्को ने बताया कि आरोपी दशरथ अहिरवार को गिरफ्तार कर पूछताछ जारी है। मृतक का पोस्टमार्टम गुरुवार को घुवारा अस्पताल में किया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

बीट गार्ड पर महिलाओं से अभद्रता के आरोप, खेती के बदले 10 हजार मांगने और धमकी देने की शिकायत

सतना, एजेंसी। सतना जिले के मझगवां थाना क्षेत्र में वन विभाग के एक बीट गार्ड पर महिलाओं से अभद्रता और धमकी देने का आरोप लगा है। ग्राम बदबदा पंचायत पछीत गांव की महिलाओं ने गुरुवार देर रात मझगवां थाने में शिकायत दर्ज कराई है। महिलाओं का आरोप है कि बीट गार्ड देवराज कोल ने अतिक्रमण हटाने के नाम पर उनसे अभद्र व्यवहार किया। जब महिलाओं ने उसे रोकने का प्रयास किया, तो उसने कथित तौर पर अकेले मिलने की बात कही। शिकायत में पीड़िता ने बताया कि बीट गार्ड ने उनकी बेटी और बहू के साथ भी अभद्र व्यवहार किया और उनके खेत की बाड़ी तोड़कर नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। आरोप है कि उसने खेती करने के बदले 10 हजार रुपए की मांग की। महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि रकम न देने पर बीट गार्ड ने जेसीबी से खेत को पूरी तरह खत्म कराने की धमकी दी और विरोध करने पर अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया। मझगवां पुलिस ने मामले की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है।

सीहोर में एक सप्ताह से ठंड का असर जारी : न्यूनतम तापमान 10, अधिकतम 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले में पिछले एक सप्ताह से ठंड का असर जारी है। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में बादल साफ होने और ठंड का प्रभाव बढ़ने की संभावना जताई है। जिले में न्यूनतम और अधिकतम तापमान के बीच दोगुने से अधिक का अंतर देखा जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से मौसम में बदलाव आया है, जहां पहले कभी बारिश तो कभी गर्मी का मिला-जुला असर था, वहीं अब ठंड का एहसास होने लगा है।

शासकीय कृषि महाविद्यालय स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. तोमर ने बताया कि आसमान से बादल धीरे-धीरे साफ हो रहे हैं, जिसके कारण आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ेगी। उन्होंने शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने की पुष्टि की।

इस साल मानसून ने सीहोर जिले में 21 जून को दस्तक दी थी, जिसके बाद रुक-रुक कर बारिश होती रही और मानसून ब्रेक की स्थिति भी बनी। अब मौसम में परिवर्तन का यह दौर शुरू हो गया है। पिछले कुछ दिनों के न्यूनतम तापमान पर गौर करें तो 4 नवंबर को 19.5 डिग्री, 5 नवंबर को 18.5 डिग्री, 6 नवंबर को 15.5 डिग्री, 7 नवंबर को 10.5 डिग्री, 8 नवंबर को 10 डिग्री, 9 नवंबर को 8.5 डिग्री, 10 नवंबर को 8.7 डिग्री, 11 नवंबर को 8.5 डिग्री, 12 नवंबर को 8 डिग्री, 13 नवंबर को 8 डिग्री और 14 नवंबर को 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

55 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर दी जान : स्कूल में बच्चों को खाना खिलाकर लौटी थी घर, फंदे पर लटकी मिली

राजगढ, एजेंसी। राजगढ़ जिले के खिलचीपुर अस्पताल में शुक्रवार सुबह 9 बजे 55 वर्षीय कला बाई का पोस्टमार्टम किया गया। गुरुवार देर शाम भोजपुर थाना क्षेत्र के पीपलदी गांव में उन्होंने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। परिजनों के अनुसार कला बाई गांव के स्कूल में समूह के तहत बच्चों के लिए भोजन बनाती थीं और गुरुवार को भी रोज की तरह खाना बनाकर घर लौटी थीं। घटना के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था। बेटा झालावाड़ गया हुआ था, पति मानसिंह जीरापुर गए थे और बहू खेत पर थी। इसी दौरान कला बाई ने कमरे में लगे पंखे पर रस्सी का फंदा बनाकर जान दे दी।

बहू ने कमरे का दरवाजा खोला तो फंदे पर लटकी मिली सास : शाम को जब पति और बहू घर लौटे तो बहू खाना बनाने के लिए कमरे में लहसुन-प्याज़ लेने गई। जैसे ही उसने दरवाज़ा खोला, वह घबरा गई–अंदर सास फंदे पर लटकी हुई थीं। आवाज सुनकर परिवार के सदस्य पहुंचे और महिला को नीचे उतारा गया। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस जांच में जुटी, आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं: भोजपुर पुलिस टीम महिला को परिजनों के साथ खिलचीपुर अस्पताल लाई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों का कहना है कि कला बाई ने ऐसा कदम क्यों उठाया, उन्हें इसका कोई कारण समझ नहीं आ रहा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एक महीने से लापता बुजुर्ग का जंगल में कंकाल मिला

खंडवा, एजेंसी। खंडवा जिले के करवानी गांव के जंगल में गुरुवार को एक महीने से लापता बुजुर्ग का शव मिला। शव पेड़ पर लटका था और जमीन पर हड्डियां बिखरी हुई थीं। मृतक की पहचान गुलारढाना गांव के 60 वर्षीय जवानसिंह बारेला के रूप में हुई है। वह 16 अक्टूबर से लापता थे। परिजन ने कुल्हाड़ी और जूते देखकर उनकी पहचान की। शव को पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच के लिए खंडवा मेडिकल कॉलेज भेजा गया। जवानसिंह 16 अक्टूबर को घर से कुल्हाड़ी और रस्सी लेकर जंगल में लकड़ी लेने गए थे। तब से परिजन और ग्रामीण उनकी तलाश कर रहे थे। गुरुवार को जंगल में बकरी चराने वाला उन्हें देखकर पुलिस को सूचना दी। परिजन ने हत्या की आशंका जताई, पुलिस बोली- सुसाइड है मृतक के बेटे ने कहा कि उनके पिता का गांव में किसी व्यक्ति से विवाद चल रहा था।

अटा चेक प्वाइंट पर पलटा ट्रक, ड्राइवर ने किया हंगामा-ट्रक के सामने बेरिकेड धकेलने का लगाया आरोप, निरीक्षक ने ड्राइवरों को पीटा

सागर, एजेंसी। नेशनल हाईवे-44 पर मालथौन अटा चेक प्वाइंट पर गुरुवार शाम एक ट्रक पलट गया। ड्राइवर ने चेक प्वाइंट कर्मियों पर बैरिकेड ट्रक के सामने धकेलने और अवैध वसूली का आरोप लगाया। ट्रक पलटने के कारण हाईवे पर करीब एक घंटे तक जाम रहा। इस दौरान जाम में फंसे ड्राइवरों पर एक वर्दीधारी ने डंडे से पिटाई की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ललितपुर के ट्रक ड्राइवर शैलेंद्र यादव ने बताया कि वह ट्रक क्रमांक ऋ11-त्तष्ट- 4285 लेकर चेन्नई से दिल्ली जा रहा था। मालथौन अटा चेक प्वाइंट पर कर्मियों ने बैरिकेड उसके ट्रक के सामने धकेल दी, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। ड्राइवर ने कर्मचारियों पर अवैध वसूली का आरोप भी लगाया। वर्दीधारी ने ड्राइवर को पीटा ट्रक पलटने के बाद नेशनल हाईवे के दोनों तरफ जाम लग गया। जाम में फंसे एक निरीक्षक ने आपा खोकर प्लास्टिक पाइप से ट्रक चालक और अन्य ड्राइवरों की पिटाई की। बाद में मामला शांत हुआ और जाम खुल गया। उक्त निरीक्षक कौन हैं और कहां पदस्थ हैं, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। मालथौन थाना प्रभारी अशोक यादव ने बताया कि जाम में फंसे लोगों को परेशानी हुई।

ड्रोन से पकड़ा 1.77 करोड़ रुपए का गांजा : खरगोन के जंगल में तीन किलोमीटर पैदल चली पुलिस, 6 घंटे में उखाड़े 3200 पौधे

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले के आदिवासी पहाड़ी क्षेत्र में पुलिस ने ड्रोन सर्चिंग के जरिये गांजे की अवैध खेती पकड़ी है। यह इलाका नो मोबाइल नेटवर्क जोन में आता है। यहां से पुलिस ने 1 करोड़ 77 लाख 56 हजार 200 रुपए के 3200 गांजे के पौधे जब्त किए। इनका कुल वजन 35.51 क्विंटल बताया गया है। यह खेती महाराष्ट्र सीमा से लगे टांडावाड़ी के नवादिया फाल्या गांव में आरोपी टिडिया पिता दीतू जमरे के खेत में की जा रही थी। इसके तीन अलग-अलग हिस्सों में गांजे के पौधे लगाए गए थे। पुलिस टीम को इन पौधों को उखाड़ने में 6 घंटे से ज्यादा का समय लगा। हेलापड़ावा चौकी और चैनपुर थाना पुलिस की टीम को जंगल के बीच 3 किमी पैदल चलकर खेत तक पहुंचना पड़ा।

आरोपी ने बनाया था मचान, नेटवर्क नहीं होने का फायदा : एसपी रवींद्र वर्मा के मुताबिक, आरोपी ने ऊंची मचान बनाकर खेती की निगरानी की व्यवस्था की थी। उसने यह स्थान इसलिए चुना, क्योंकि यहां मोबाइल नेटवर्क नहीं था, जिससे पुलिस या ग्रामीणों को भनक नहीं लग सके। खेत में सिंचाई के लिए क्यारियां भी बनाई गई थीं। उन्होंने पुलिस से गहन जांच और कार्रवाई की मांग की। खालवा थाना प्रभारी जगदीश सिंधिया ने बताया कि मर्ग कायम किया गया है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का संकेत मिला है, लेकिन परिजनों की आशंका की जांच भी की जाएगी।

एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज, आरोपी फरार : एसपी के मुताबिक, दबिश के दौरान आरोपी टिडिया जमरे मौके से फरार हो गया। उसके घर पर ताला लगा मिला। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया गया है। ऑपरेशन 'प्रहार' के तहत जिलेभर में ऐसी अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इस अवैध खेती के पूरे नेटवर्क का खुलासा करने के लिए विशेष टीम गठित की गई थी।

नर्मदापुरम में 8 साल की बच्ची से रेप की कोशिश:चाचा ने अकेला पाकर गलत हरकत का प्रयास किया, चिल्लाने पर दादी ने बचाया

नर्मदापुरम,एजेंसी। नर्मदापुरम जिले के बनखेड़ी थाना क्षेत्र के एक गांव में 8 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया। बच्ची के पड़ोसी चचेरे चाचा ने उसे अकेला पाकर अपने घर ले जाकर यह हरकत करने की कोशिश की, लेकिन बच्ची के चिल्लाने पर दादी के आने से वह सफल नहीं हो पाया। माता-पिता की शिकायत पर शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 11 नवंबर की शाम लगभग 4 बजे की है। पीड़िता के माता-पिता उस समय मजदूरी करने के लिए घर से बाहर गए थे। इसी दौरान, पड़ोस में रहने वाले आरोपी चचेरे चाचा ने 8 वर्षीय बालिका को बहला-फुसलाकर अपने घर में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया।

बच्ची के चिल्लाने पर पहुंची दादी : जब आरोपी अपनी गलत हरकत करने की कोशिश कर रहा था, तब लड़की ने मदद के लिए जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। बच्ची की आवाज सुनकर उसकी दादी तुरंत मौके पर पहुंच गई। दादी को देखकर आरोपी डर गया और वहां से भाग गया। घटना के दो दिन बाद, बच्ची के माता-पिता ने 13 नवंबर को शाम 5 बजे बनखेड़ी थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। आरोपी के खिलाफ बीएनसी की धारा 65(2), 351(3) के तहत केस दर्ज किया गया है। पॉक्सो एक्ट भी लगाया गया है। बनखेड़ी थाना प्रभारी (टीआई) विजय सनस ने बताया कि सूचना के आधार पर अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है।

फ्रांस ने यूक्रेन को 4-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के लिए किया क्वालीफाई

पेरिस, एजेंसी । फ्रांस ने किलियन एमबाप्पे के दो गोल और माइकल ओलीसे व ह्यूगो एकिटिके के एक-एक गोल की बदौलत गुरुवार को यूक्रेन को 4-0 से हराते हुए फीफा विश्व कप 2026 के लिए जगह पक्की कर ली। यह मुकाबला 2015 के पेरिस हमलों के पीड़ितों को समर्पित था। पार्क दे प्रिंसेस में खेले गए मुकाबले में कप्तान एमबाप्पे ने दूसरे हाफ की शुरुआत में पेनल्टी से पहला गोल दागा। ओलीसे ने 76वें मिनट में बढ़त दोगुनी की। इसके बाद एमबाप्पे ने एक और गोल किया, जबकि एकिटिके ने अपने करियर का पहला अंतरराष्ट्रीय गोल दागते हुए टीम की जीत को पक्का कर दिया।

हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि : किक-ऑफ से पहले 41,000 दर्शकों ने 2015 में पेरिस और उसके आसपास हुए आतंकी हमलों की 10वीं बरसी पर एक मिनट का मौन रखा। इन हमलों में 130 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें से अधिकांश बाटाकलां कॉन्सर्ट हॉल में मारे गए थे। एक व्यक्ति की मौत स्टेड दे फ्रांस के पास भी हुई थी, जहां आत्मघाती हमलावरों ने प्रवेश की कोशिश की थी। फ्रांस के कोच डिडिएर डेशैंप्स, जो उस समय भी टीम के प्रभारी थे, ने पहले ही साफ कर दिया है कि 2026 विश्व कप उनका अंतिम टूर्नामेंट होगा।

अजेय बढ़त, 1994 के बाद हर विश्व कप में जगह : एक मैच बाकी रहते हुए फ्रांस ने यूरोपीय क्वालिफाइंग ग्रुप डी में आइसलैंड और यूक्रेन पर छह अंकों की अजेय बढ़त बना ली है। फ्रांस 2018 का विश्व चैंपियन और 2022 का उपविजेता है तथा 1994 में चूकने के बाद हर विश्व कप में क्वालीफाई करता आया है। वहीं यूक्रेन और आइसलैंड अब रविवार को एक-दूसरे के खिलाफ प्ले-ऑफ में जगह के लिए 'शूट-आउट' मुकाबला खेलेंगे।

ओलीसे और एमबाप्पे चमके : पहले हाफ में ब्रैडली बारकोला ने शानदार प्रयास किया, जिसे क्रॉसबार पर टिप कर गोलकीपर ने बचा लिया। दूसरे हाफ में ओलीसे को पेनल्टी क्षेत्र में फाउल किया गया और एमबाप्पे ने मौके को गोल में बदल दिया। इसके बाद मध्य में शिफ्ट होने के बाद ओलीसे का खेल और निखरकर सामने आया। उन्होंने पहले एकिटिके को पोस्ट मारने का मौका दिलाया और फिर खुद घूमकर टीम के लिए दूसरा गोल दागा। इसके बाद यूक्रेन की टीम पूरी तरह दबाव में आ गई। 83वें मिनट में एमबाप्पे ने नजदीक से गोल कर अपना अंतरराष्ट्रीय गोलों का आंकड़ा 55 तक पहुंचा दिया। अब वह फ्रांस के सर्वकालिक शीर्ष गोलदाताओं की सूची में ओलिवियर गिरू (57) से सिर्फ दो गोल पीछे हैं।

आईपीएल 2026: शेन वॉटसन को केकेआर ने सहायक कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली, एजेंसी । आईपीएल 2026 के लिए अभिषेक नायर को मुख्य कोच नियुक्त करने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन को सहायक कोच के रूप में नियुक्त किया। केकेआर ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर वॉटसन को सहायक कोच बनाए जाने की पुष्टि की है। केकेआर के सीईओ वैंकी मैसूर ने एक्स पर लिखा, केकेआर परिवार में शेन वॉटसन का स्वागत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। उच्चतम स्तर पर एक खिलाड़ी और कोच के रूप में उनका अनुभव हमारी टीम संस्कृति और तैयारी में अपार योगदान देगा। टी20 प्रारूप की उनकी समझ विश्वस्तरीय है, और हम मैदान के अंदर और बाहर, दोनों जगह उनके योगदान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। केकेआर का सहायक कोच बनने के बाद वॉटसन ने कहा, केकेआर जैसी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मैंने हमेशा केकेआर के प्रशंसकों के जुनून और टीम की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता की प्रशंसा की है। मैं कोलकाता को एक और खिताब दिलाने के लिए कोचिंग समूह और खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। वॉटसन का आईपीएल में एक खिलाड़ी और कोच के रूप में लंबा अनुभव रहा है, जो केकेआर के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

पूर्व कप्तान से लेकर वर्तमान कप्तान तकः रूट एशेज सीरीज के दौरान कप्तान स्टोक्स के एहसान का बदला चुकाने को लेकर उत्सुक हैं

मेलबर्न [ऑस्ट्रेलिया],एजेंसी। स्टार इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने कप्तान बेन स्टोक्स के प्रति एहसान चुकाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की, जिन्होंने टेस्ट कप्तान के रूप में उनकी मदद करते हुए अपना सब कुछ दिया, क्योंकि ऑलराउंडर कप्तान के रूप में ऑस्ट्रेलिया के पहले दौरे के लिए तैयार है। 2013 में अपने शुरुआती 20 के दशक में पर्थ के वाका स्टेडियम की कठिन, दरारों वाली और परेशान करने वाली सतह पर 122 रनों की पारी खेलने के बाद से, स्टोक्स एक आक्रामक, आक्रामक ऑलराउंडर से लेकर मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ मिलकर बाज़बॉल जैसी अराजकता के पीछे के मास्टरमाइंड तक का लंबा सफर तय कर चुके हैं। स्टोक्स-मैकुलम के सकारात्मक और आक्रामक क्रिकेट की परीक्षा ऑस्ट्रेलिया में होगी, जहाँ इंग्लैंड 2010/11 की जीत के बाद से अब तक कोई टेस्ट नहीं जीत पाया है। रूट को लगता है कि वह स्टोक्स के एहसानमंद हैं, जिन्होंने इंग्लैंड की टेस्ट टीम को उस समय ऊपर रखने के लिए अपने शरीर को काफी शारीरिक दर्द और मन को कष्ट में डाला, जब इयोन मोर्गन की सफेद गेंद वाली टीमें इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की प्राथमिकता थीं। भारत में 2023 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप और अमेरिका और वेस्टइंडीज में 2024 टी20 विश्व कप तक, जहां इंग्लैंड को अपने खिताब का बचाव करना था और बुरी तरह विफल रहा। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से बात करते हुए रूट ने कहा, जब मैं इंग्लैंड का कप्तान था, तब उन्होंने (स्टोक्स) मेरी मदद करने के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया था, अपने शरीर को बहुत मेहनत करने के लिए मजबूर किया था, और मैचों के अहम मौकों पर लंबे स्पैल फेंकने में सक्षम थे। उन्होंने आगे कहा, जब मैं कप्तान था, तब वह मेरी इंग्लैंड टीम की मदद के लिए हर संभव कोशिश करते थे, और अब यह मेरा मौका है और उस एहसान का बदला चुकाने की मेरी बारी है। उन्होंने कहा, एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में, चाहे वह मैदान पर प्रदर्शन के संदर्भ में हो - वह सबसे महत्वपूर्ण है - लेकिन चाहे वह टीम के भीतर संदेश देने की बात हो, या इस अवधि में मानक से हटकर कुछ करने की कोशिश करना हो, यही मेरी भूमिका है।

एलेक्स डी मिनाउर एटीपी फाइनल्स की दौड़ में बने हुए हैं; टेलर फ्रिट्ज़ को हराया

ट्यूरिन इटली,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनाउर ने गुरुवार को ट्यूरिन में जिमी कॉनर्स ग्रुप में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज़ को 7-6(3), 6-3 से हराकर निट्टो एटीपी फ़ाइनल के सेमीफ़ाइनल में अपनी उम्मीदें ज़िंदा रखीं। एटीपी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, इस परिणाम के साथ ही फ्रिट्ज़ का इस साल की सीज़न-एंडिंग चैंपियनशिप में अभियान भी समाप्त हो गया। मंगलवार को लोरेंजो मुसेट्टी से तीन सेटों में दिल तोड़ने वाली हार झेलने के बाद, डी मिनौर को पता था कि आगे बढ़ने के लिए उन्हें फ्रिट्ज़ को सीधे सेटों में हराना होगा। चुनौती का सामना करते हुए, सातवें वरीय खिलाड़ी ने प्रभावशाली और आक्रामक प्रदर्शन किया और राउंड-रॉबिन चरण को 1-2 के रिकॉर्ड के साथ समाप्त किया। अगर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़, जो पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं, शाम को लोरेंजो मुसेट्टी को हरा देते हैं, तो यह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी उनके साथ अंतिम चार में पहुँच जाएगा। हालाँकि, मुसेट्टी की जीत से यह इतालवी खिलाड़ी आगे बढ़ जाएगा। एटीपी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, डी मिनौर ने कहा, मैंने हाल ही में काफी निराशा का सामना किया है, इसलिए ट्यूरिन में अंततः जीत हासिल करना अच्छा था। उन्होंने कहा, मैंने बहुत मेहनत की है।

अल्कराज ने 2025 का समापन विश्व नंबर 1 के रूप में किया, एटीपी फाइनल्स में मुस्सेती को हराया

ट्यूरिन, एजेंसी । स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने गुरुवार को लोरेन्जो मुस्सेती को 6-4, 6-1 से हराकर एटीपी फाइनल्स में महत्वपूर्ण जीत दर्ज की और इसी के साथ 2025 का विश्व नंबर 1 के रूप में समाप्त करने का गौरव हासिल कर लिया। इस जीत ने उन्हें अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी जानिक सिनर से आगे पहुंचा दिया। इस सीजन दो ग्रैंड स्लैम जीतने वाले 22 वर्षीय अल्कराज सोमवार को जारी होने वाली नई एटीपी रैंकिंग में सिनर से ऊपर रहेंगे। मुस्सेती के खिलाफ जीत ने उन्हें जिमी कॉनर्स ग्रुप में शीर्ष स्थान भी दिला दिया। अल्कराज, जो इस सीजन अब तक 70 मैच जीत चुके हैं, शनिवार को सेमीफाइनल हार भी जाएं तो भी साल का समापन विश्व नंबर 1 के रूप में ही करेंगे। हालांकि अल्कराज पहले खिताब की ओर मजबूती से बढ़ते नजर आ रहे हैं, और संकेत हैं कि एक बार फिर टूर्नामेंट के फाइनल में उनका सामना इटली के सिनर से हो सकता है, जिन्होंने बुधवार को ब्योर्न बोर्ग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

अल्कराज ने खुशी जताते हुए कहा, मेरे लिए इसका बहुत बड़ा मतलब है। साल का नंबर 1 बनना हमेशा लक्ष्य होता है। साल की शुरुआत में मैंने सोचा भी नहीं था कि मैं वहां पहुंच पाऊंगा, क्योंकि सिनर लगातार लगभग हर टूर्नामेंट जीत रहे थे। यह पूरे सीजन की मेहनत का नतीजा है। मैं अपनी टीम और खुद पर गर्व करता हूं। अल्कराज इस सीजन सिनर के खिलाफ पांच में से चार मुकाबले जीत चुके हैं, जिनमें दो ग्रैंड स्लैम फाइनल भी शामिल हैं। फ्रेंच ओपन में अल्कराज ने एक ऐतिहासिक मुकाबले में सिनर को हराकर खिताब बचाया, जबकि विंबलडन फाइनल में उन्हें इटालियन खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा। इधर, मुस्सेती संघर्ष करते दिखे। विश्व नंबर 9 मुस्सेती को अंतिम क्षण में नोवाक जोकोविच के हटने के बाद फाइनल्स में जगह मिली थी, लेकिन थकान ने उनके खेल को प्रभावित किया। दूसरे सेट में वे पूरी तरह टूट गए। मुस्सेती ने कहा, मैं बहुत थक गया था। मुझे पता था कि पिछले कुछ महीनों और खासकर पिछले हफ्तों की कठिन लड़ाइयों से उबरना आसान नहीं होगा। आज मुझे चमत्कार की जरूरत थी। वे यहां एथेंस फाइनल में जोकोविच से हारकर पहुंचे थे।

इसके साथ ही मुस्सेती का एटीपी फाइनल्स सफर खत्म हो गया है और वे अगले हफ्ते बोलोग्ना में होने वाले डेविस कप फाइनल 8 में भी शामिल नहीं होंगे।

अक्षर पटेल का ट्रोल्स को करारा जवाब बोले- कप्तान का काम अंग्रेजी बोलना नहीं, टीम को समझना है

नई दिल्ली, एजेंसी । भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने क्रिकेट में एक आम, लेकिन गलत धारणा पर खुलकर बात की है। यह धारणा है कि क्या अंग्रेजी बोलने वाला खिलाड़ी ही कप्तान बनने के लायक होता है? द इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में अक्षर ने बताया कि यह सोच न केवल गलत है, बल्कि क्रिकेट की असली जरूरतों से बहुत दूर है। उनका मानना है कि कप्तान का मूल्यांकन भाषा नहीं, क्षमता और टीम मैनेजमेंट के आधार पर होना चाहिए।

कप्तान का काम खिलाड़ी को समझना है : अक्षर ने साफ कहा कि लोगों के बीच एक अजीब सी धारणा है कि जो खिलाड़ी अच्छे से अंग्रेजी बोल लेता है, वही कप्तानी के काबिल माना जाता है। उन्होंने कहा, लोग कहने लगते हैं- अरे, यह तो अंग्रेजी नहीं बोलता, यह कप्तानी कैसे करेगा? कप्तान का काम सिर्फ बोलना नहीं होता। उसका काम होता है खिलाड़ी को समझना, खिलाड़ी की ताकत और कमजोरी जानना और उससे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाना। अक्षर के मुताबिक, कप्तान का असली परीक्षण मैदान पर होता है, जब वह टीम के लिए सही फैसले लेता है, न कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में कितनी धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलता है।

भाषा कप्तानी का पैमाना नहीं : अक्षर ने बताया कि यह पूरा मामला एक लोगों की धारणा बन चुकी है। उन्होंने कहा, अगर हम कहें अच्छी पर्सनैलिटी चाहिए, अच्छी अंग्रेजी आनी चाहिए, यह जनता की अपनी सोची हुई धारणा है। कप्तानी में भाषा की कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। उनके मुताबिक, क्रिकेट जैसे खेल में संवाद बहुत जरूरी है, लेकिन वह किसी भी भाषा में हो सकता है- हिंदी, गुजराती, मराठी या अंग्रेजी। मकसद सिर्फ इतना है कि खिलाड़ी को बात समझ आए।

सोशल मीडिया से बढ़ती है यह भाषा-आधारित बहस : अक्षर ने इस मुद्दे में सोशल मीडिया की भूमिका को भी अहम बताया। उन्होंने कहा कि आज हर किसी की एक ऑनलाइन छवि बन गई है- कैसे बोलता है, कितना एक्टिव है, क्या पोस्ट करता है, लोग उसी पर राय बनाने लगे हैं। अक्षर ने कहा, सब सोशल मीडिया पर क्या दिखता है, उसी से लोग फैसले लेते हैं कौन काबिल है, कौन नहीं। हर कोई अपनी राय देता है- इसे कप्तान बनाओ, इसे मत बनाओ। अक्षर का मानना है कि मैदान के बाहर की छवि से ज्यादा जरूरी है मैदान पर की समझ और नेतृत्व क्षमता।

तमिलनाडु ने बदला 20 टीम का कप्तान:सैयद मुश्ताक अली में तमिलनाडु की कमान वरुण के हाथ, जगदीशन उप-कप्तान

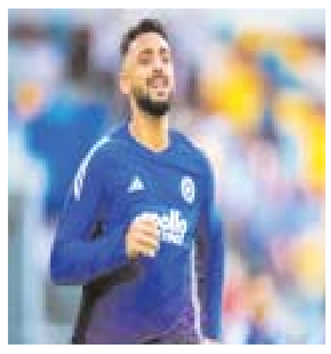

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु क्रिकेट टीम ने 26 नवंबर से शुरू हो रही सैयद मुश्ताक अली T20 ट्रॉफी के लिए स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को नया कप्तान नियुक्त किया है। विकेटकीपर- बैटर नारायण जगदीशन को उप-कप्तान बनाया गया है। वरुण पहली बार किसी भी स्तर पर कप्तानी संभालेंगे।

वरुण चक्रवर्ती ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में खेले गए T20I सीरीज के खेले तीन मैचों में 5 विकेट लिए थे। टीम प्रबंधन ने उन्हें एम शाहरुख खान की जगह कप्तान बनाया है। उन्हें आर साई किशोर और जगदीशन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर तरजीह देते हुए टीम की कमान सौंपी गई है।

टीम के पेस अटैक में टी नटराजन और गुर्जपनीत सिंह शामिल हैं। वहीं स्पिन विभाग में आर साई किशोर और एम सिद्धार्थ मुख्य भूमिका निभाएंगे। रणजी में तमिलनडु टीम अपने ग्रुप में छठे स्थान पर रणजी ट्रॉफी में तमिलनाडु का प्रदर्शन इस समय साधारण रहा है। टीम चार मैचों में दो हार और दो ड्रॉ के साथ अपने ग्रुप में छठे स्थान पर है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु ग्रुप ष्ठ में शामिल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु को एलाइट ग्रुप D में रखा गया है।

न्यूजीलैंड के दिग्गज टिम साउथी को 2026 सीज़न से पहले केकेआर का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लिए न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर टिम साउथी को टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त करने की घोषणा की है। साउथी का विशाल अंतरराष्ट्रीय अनुभव, गहरी सामरिक समझ और फ्रैंचाइज़ी के साथ पूर्व जुड़ाव उन्हें केकेआर के कोचिंग स्टाफ के लिए एक अमूल्य सदस्य बनाता है। अपनी पीढ़ी के सबसे कुशल तेज़ गेंदबाज़ों में से एक, साउथी 15 वर्षों से भी ज़्यादा समय से न्यूज़ीलैंड क्रिकेट की आधारशिला रहे हैं। 100 से ज़्यादा टेस्ट मैचों, 150 से ज़्यादा वनडे और 120 से ज़्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने वाले साउथी ने सभी प्रारूपों में 776 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी कीवी गेंदबाज़ द्वारा सबसे ज़्यादा हैं। अपनी स्विंग, सटीकता और नेतृत्व क्षमता के लिए प्रसिद्ध, उन्होंने कई प्रारूपों में न्यूज़ीलैंड की कप्तानी की और 2019 आईसीसी विश्व कप अभियान और 2021 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत में अहम भूमिका निभाई। साउथी केकेआर परिवार के लिए कोई अजनबी नहीं हैं, अपने खेल करियर के दौरान आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम (2021, 2022, 2023) का हिस्सा रहे हैं और 14 मैचों में 19 विकेट लिए हैं। अपनी व्यावसायिकता और मार्गदर्शन के गुणों के लिए जाने जाने वाले, उन्होंने 2025 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने से पहले मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह एक मजबूत प्रभाव डाला। नियुक्ति पर बोलते हुए, कोलकाता नाइट राइडर्स के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा- हमें टिम साउथी का केकेआर परिवार में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है, इस बार कोचिंग के रूप में। टिम का विशाल अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता हमारी गेंदबाजी इकाई को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उनके नेतृत्व कौशल और शांतचित्त दृष्टिकोण उन्हें हमारे युवा गेंदबाजों के लिए एक आदर्श मार्गदर्शक बनाते हैं। साउथी ने फ्रैंचाइज़ी में वापसी को लेकर अपनी उत्तेजना व्यक्त करते हुए कहा, केकेआर मुझे हमेशा घर जैसा लगा है और इस नई भूमिका में वापसी करना सम्मान की बात है। फ्रैंचाइज़ी में एक अविश्वसनीय संस्कृति, भावुक प्रशंसक और खिलाड़ियों का एक शानदार समूह है।

ट्राइडेंट ओपन में मनोज ने हासिल की लीड, 67 का कार्ड खेलकर शीर्ष पर पहुंचे

चंडीगढ़ ,एजेंसी । बेंगलुरु के 17 वर्षीय उभरते गोल्फर मनोज एस ने ट्राइडेंट ओपन 2025 के तीसरे राउंड में बेहतरीन 5-अंडर 67 का कार्ड खेलते हुए लीड अपने नाम कर ली। 1 करोड़ रुपए की प्राइज मनी वाले ट्राइडेंट ओपन के पहले संस्करण का आयोजन चंडीगढ़ गोल्फ क्लब में हो रहा है। मनोज (69-71-67) तीन राउंड के बाद 9-अंडर 207 के कुल स्कोर के साथ एक शॉट की बढ़त पर पहुंच गए। 17 साल, 7 महीने और 26 दिन की उम्र में मनोज अब पीजीटीआई पर प्रोफेशनल के रूप में जीत दर्ज करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने की दहलीज पर हैं। वर्तमान रिकॉर्ड शुभंकर शर्मा के नाम है, जिन्होंने 2014 में 17 साल, 8 महीने और 22 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। करनदीप कोचर अब भी सबसे युवा विजेता हैं, जिन्होंने 17 साल 5 महीने की उम्र में (अमेच्योर रहते) 2016 में जीत हासिल की थी। पूर्व पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन मनु गनदास (66-73-69) ने 69 का कार्ड खेलकर कुल 8-अंडर 208 के साथ दूसरे स्थान पर रहते

हुए दिन समाप्त किया।टॉप-2 खिलाड़ियों और बाकी फील्ड के बीच अच्छी खासी दूरी रही। पांच खिलाड़ी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर 5-अंडर 211 के स्कोर पर बने हुए हैं। इनमें चंडीगढ़ के युवराज संधू (70) और अक्षय शर्मा (72), अपना पहला पीजीटीआई इवेंट खेल रहे शुभम जगलान (71) के अलावा शौर्य भट्टाचार्य और मोहम्मद अज़हर शामिल हैं। इससे पहले दूसरे राउंड के बाद अक्षय शर्मा और मनु गनदास 5-अंडर 139 पर संयुक्त लीडर रहे थे। ट्राइडेंट ग्रुप टूर्नामेंट का टाइटल स्पॉन्सर है। ट्राइडेंट ग्रुप के चेयरमैन और राज्यसभा सांसद श्री राजिंदर गुप्ता के नेतृत्व में यह समूह भारत और विदेशों में होम टेक्सटाइल क्षेत्र का प्रमुख नाम है। इसका खिताब जीतना सभी के लिए चुनौतीपूर्ण हो गया है और स्कोर काफी टाइट हो गया। दूसरे राउंड के बाद संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे मनोज ने तीसरे दिन शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। फ्रंट-नाइन में चार बर्डी और एक बोगी से उन्होंने तेजी से लीडरबोर्ड पर चढ़ाई की। बैक-नाइन में भी उन्होंने चार बर्डी और दो बोगी लगाकर शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आमजन की समस्याएँ सुनीं

मौके पर दिए त्वरित समाधान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री निवास में गुरुवार को आयोजित जनदर्शन एक बार फिर लोगों की उम्मीदों का केंद्र बना रहा। अलग-अलग जिलों से आए लोगों ने अपनी समस्याएँ लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने हर एक आवेदक की बात ध्यान से सुनी और अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनदर्शन के दौरान भिलाई के कलाकार अंकुश देवांगन अपनी अनोखी संगमरमर कला लेकर पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दुनिया की सबसे छोटी संगमरमर प्रतिमा भेंट की। फ्रेम में लगा माइक्रोस्कोपिक लेंस इस कलाकृति को और खास बनाता है। मुख्यमंत्री ने उनकी कला की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के कलाकारों में अद्भुत प्रतिभा है। रायपुर के दिव्यांग युवक मनीष खुंटे भी अपनी बैटरी चालित स्कूटी से मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे। कुछ दिन पहले ही उन्हें इसी जनदर्शन में स्कूटी स्वीकृत की गई थी। मनीष ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया और उनके साथ सेल्फी भी ली। मनीष की मुस्कान ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को भावुक कर दिया। खेल क्षेत्र से आए युवाओं ने भी मुख्यमंत्री से सहायता की मांग रखी। वूमेन्स सेल्फ डिफेंस ऑर्गनाइजेशन के खिलाड़ियों ने स्वेच्छानुदान का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। खिलाड़ियों ने बताया कि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इसी दौरान अभनपुर के दिव्यांग रग्बी खिलाड़ी पिंटू साहू ने व्हीलचेयर और खेल सामग्री खरीदने के लिए सहायता मांगी। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही 90 हजार रुपए की आर्थिक मदद स्वीकृत की। पिंटू ने कहा कि यह सहयोग उनके खेल करियर के लिए नई शुरुआत है। जनदर्शन में कई महिलाएँ, बुजुर्ग और किसान भी पहुंचे।

आवास, स्वास्थ्य उपचार, सामाजिक सुरक्षा, छात्रवृत्ति और रोजगार से जुड़े आवेदन आए। मुख्यमंत्री ने सभी मामलों को प्राथमिकता से निपटाने को कहा। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी आवेदक निराश न लौटे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जनदर्शन प्रदेश सरकार की संवेदनशीलता और जवाबदेही का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 'हम कोशिश करते हैं कि अधिक से अधिक लोगों की समस्याएँ सुनकर मौके पर ही उसका समाधान किया जाए।

जनदर्शन के समापन तक बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं के त्वरित और व्यवहारिक समाधान से संतुष्ट दिखाई दिए। लोगों ने कहा कि यह व्यवस्था उन्हें सरकार से सीधे जुड़ने का विश्वास दिलाती है– जहाँ उनकी बात न सिर्फ सुनी जाती है, बल्कि उसी समय समाधान की दिशा में ठोस कदम भी उठाए जाते हैं। इससे आमजन में भरोसा, पारदर्शिता और सहभागिता की भावना और मजबूत हुई है।

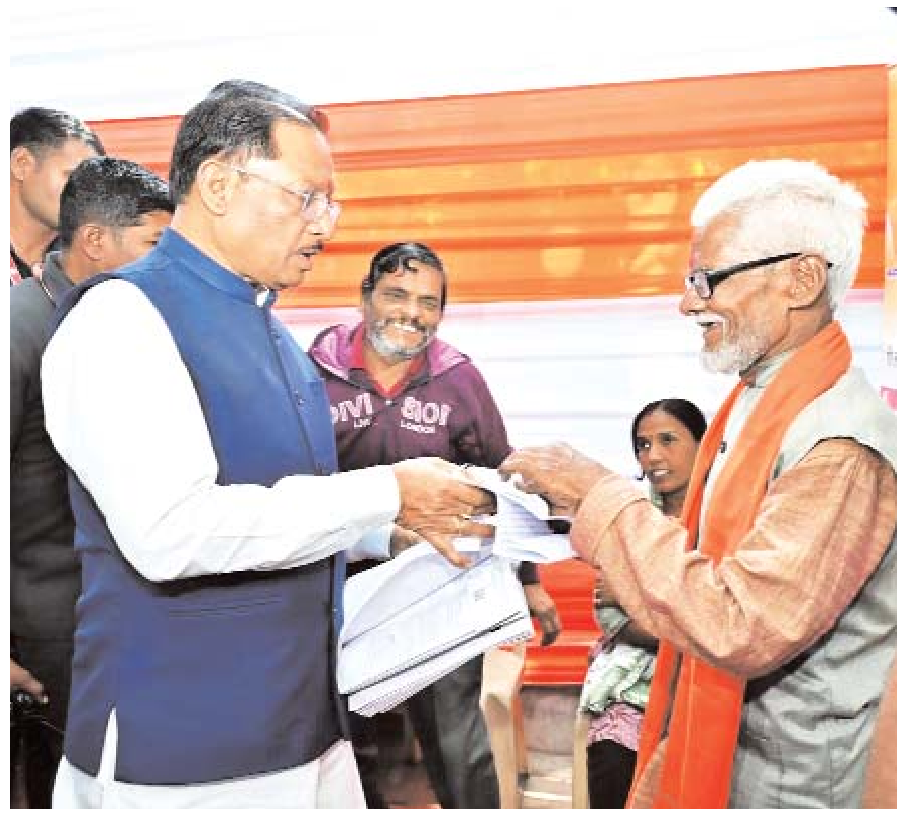

पेंटर शिवकुमार निराला ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को भेंट किया विशिष्ट 'राजनीतिक मानचित्र'

मुख्यमंत्री ने की सराहना, रचनात्मक प्रतिभा का किया सम्मान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम चकरदा निवासी पेंटर शिवकुमार निराला ने अनूठा 'राजनीतिक मानचित्र' मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को भेंट किया। उनकी इस अद्वितीय कला प्रस्तुति ने कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बढ़ा दिया। निराला द्वारा तैयार यह सचित्र मानचित्र छत्तीसगढ़ की सम्पूर्ण राजनीतिक यात्रा का विस्तृत और कलात्मक दस्तावेज है। इसमें राज्य के लोकसभा एवं विधानसभा सदस्यों, मंत्रिमंडल की रूपरेखा, संसदीय क्षेत्रवार विवरण तथा वर्ष 1998 से अब तक हुए सभी लोकसभा और विधानसभा चुनावों का तुलनात्मक विश्लेषण सुव्यवस्थित रूप से दर्शाया गया है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में जीत के अंतर, राजनीतिक दलवार जनप्रतिनिधियों का क्रम तथा सीटों के ऐतिहासिक बदलाव को भी कलात्मक शैली में शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस रचनात्मक मानचित्र की सराहना करते हुए कहा कि 'शिवकुमार निराला ने आंकड़ों और तथ्यों को इतनी सहज, सुंदर और विश्लेषणात्मक शैली में प्रस्तुत किया है कि यह कला-कृति राजनीति के विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और आम नागरिकों–सभी के लिए उपयोगी दस्तावेज बन जाती है।' मुख्यमंत्री ने उनकी प्रतिभा को सम्मानित करते हुए उन्हें पुरस्कृत भी किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया

जनदर्शन में वूमेन्स सेल्फ डिफेंस ऑर्गनाइजेशन के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री निवास में आज आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में वूमेन्स सेल्फ डिफेंस ऑर्गनाइजेशन छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कराटे, कुश्ती और ताइक्वांडो जैसे खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों के लिए स्वेच्छानुदान स्वीकृत करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री साय ने संगठन के पदाधिकारियों और खिलाड़ियों द्वारा रखे गए सुझावों और मांगों को ध्यानपूर्वक सुना। खिलाड़ियों ने बताया कि वे देश और विदेश में विभिन्न प्रतियोगिताओं में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं तथा आगे भी राज्य का नाम और ऊंचा करने के लिए निरंतर प्रशिक्षण और सहयोग की आवश्यकता है। खिलाड़ियों ने खेल उपकरण, प्रशिक्षण सुविधाओं और प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराने का अनुरोध भी किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने खिलाड़ियों की भावनाओं की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं के सम्मान और प्रोत्साहन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों पर यथासंभव सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा और खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समझी पीड़ा

तुरंत बढ़ाया कदम - रमन निर्मलकर को सौंपा श्रवण यंत्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान रायपुर के ब्राह्मणपारा वार्ड निवासी रमन निर्मलकर को श्रवण यंत्र सौंपा। जनदर्शन में पहुँचे निर्मलकर ने बताया कि बीते कुछ समय से उनकी श्रवण क्षमता पूरी तरह समाप्त हो गई है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे श्रवण यंत्र खरीद नहीं पा रहे थे। उनकी समस्या सुनकर मुख्यमंत्री साय ने फौरन ही उन्हें श्रवण यंत्र प्रदान किया।

मुख्यमंत्री साय का आभार व्यक्त करते हुए निर्मलकर ने मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 'मुझे फिर से सुनने की क्षमता वापस मिल गई है। मुख्यमंत्री जी ने मेरी समस्या को तुरंत समझा और मदद की, इसके लिए मैं उनका आभारी हूं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा जनदर्शन में आमजन की समस्याओं पर तुरंत संज्ञान लेकर सहायता प्रदान करने की यह पहल जनकल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बीजापुर में सुरक्षाबलों की बड़ी सफलता – छह माओवादी न्यूट्रलाइज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में आज छत्तीसगढ़ पुलिस, जिला रिज़र्व गार्ड (DRG) और स्पेशल टास्क फोर्स (STF) की संयुक्त कार्रवाई में सुरक्षाबलों को महत्वपूर्ण सफलता मिली। मुठभेड़ के दौरान छह माओवादी न्यूट्रलाइज किए गए। इसमें ?8 लाख का इनामी कन्ना ऊर्फ बुचन्ना भी शामिल है, जो लंबे समय से इस क्षेत्र में हिंसा, भय और माओवादी गतिविधियों को संचालित कर रहा था। इस कार्रवाई को लाल आतंक के समूल नाश की दिशा में एक महत्वपूर्ण और निर्णायक उपलब्धि माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुरक्षाबलों की इस सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पुलिस बलों के उत्कृष्ट समन्वय, साहस और सटीक रणनीति का परिणाम है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन के संकल्प के साथ मिशन मोड में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और सुरक्षा एजेंसियाँ एकजुट होकर इस लड़ाई को निर्णायक अंत तक ले जाएंगी।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से ग्रामीण बन रहे ऊर्जादाता

अतिरिक्त बिजली से हो रही आमदनी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना ने ग्रामीण अंचलों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम पंचायत कौन्दकेरा के निवासी नारद राम यादव ने इस योजना के तहत अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कर घर को पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित कर दिया है। यादव ने बताया कि पहले उनके घर का बिजली बिल प्रतिमाह 3000 से 3500 रुपये तक आता था, परंतु अब उनका बिजली बिल शून्य हो गया है। उन्होंने बताया कि वे अपने घर में बिजली का उत्पादन स्वयं कर रहे हैं और अतिरिक्त बिजली राज्य शासन को विक्रय कर आय अर्जित कर रहे हैं। नारद राम ने बताया कि अब मेरा बिजली बिल शून्य हो गया है और मैं अपने घर से ही स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन कर रहा हूं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत स्थापित सोलर प्लांट नेट मीटरिंग प्रणाली से विद्युत ग्रिड से जुड़ा है। खपत से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में भेजी जाती है, जिससे उपभोक्ता को आय प्राप्त होती है। यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना वास्तव में ग्रामीणों के जीवन में ऊर्जा आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण की नई रोशनी लेकर आई है।

जल संरक्षण, प्राकृतिक और जैविक खेती की ओर बढ़ना आवश्यक

प्राकृतिक खेती पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल हुए राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्राकृतिक और जैविक खेती आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। रासायनिक उर्वरकों का उपयोग केवल उतना ही होना चाहिए जितना बिल्कुल जरूरी हो। किसानों में इस बात की जागरूकता लाना समय की मांग है। जल संरक्षण के लिएअभी प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में जल संकट और तेज़ी से बढ़ेगा। राज्यपाल रमेन डेका ने आज प्राकृतिक खेती विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन कार्यक्रम में उक्त विचार व्यक्त किए।

संगोष्ठी का आयोजन कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग तथा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा किया गया जिसके उद्घाटन कार्यक्रम में डेका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने की। राज्यपाल डेका ने अपने संबोधन में कहा कि 1960 के दशक में जब देश खाद्यान्न संकट का सामना कर रहा था, तब हरित क्रांति ने बड़ी भूमिका निभाई। नए बीज, रासायनिक खाद, सिंचाई और मशीनों के उपयोग से उत्पादन में वृद्धि हुई, जो उस समय देश के लिए बड़ी उपलब्धि थी। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में अति हानिकारक होती है। आज रासायनिक खादों और माइक्रोप्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग कई समस्याओं को जन्म दे रहा है। इसलिए जैविक और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना बेहद जरूरी है। इससे फसलों का मूल्य संवर्धन होगा और किसान बेहतर लाभ कमा सकेंगे।

राज्यपाल ने कृषि के विद्यार्थियों से अपील की कि पढ़ाई पूरी करने के बाद वे जैविक खेती को अपनाएं, जिससे अन्य किसान भी प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि आज के समय में जैविक खेती बड़ा व्यवसाय बन चुका है और इसे सही दिशा देने की आवश्यकता है। अपने संबोधन में डेका ने छत्तीसगढ़ में जल दोहन की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राज्य में अच्छी वर्षा होने के बावजूद कई क्षेत्रों में पानी की कमी रहती है। वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए डबरी निर्माण जैसे उपाय बढ़ाने होंगे। उन्होंने कहा कि पानी नहीं तो जीवन नहीं, इसलिए जल संरक्षण अनिवार्य है। संगोष्ठी में कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि प्राकृतिक खेती को किस प्रकार व्यापक रूप से बढ़ावा दिया जाए। रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग से धरती विषैली हो रही है और कई तरह की बीमारियाँ बढ़ रही हैं। आने वाली पीढ़ी के हित में समय रहते बदलाव करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार जैविक खेती को बढ़ाने के लिए मिशन मोड में कार्य कर रही है।

कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव शहला निगार ने राज्य में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे कार्यो की जानकारी दी। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में पद्मश्री साबरमती सहित कई उत्कृष्ट किसानों को सम्मानित किया गया। इसके पूर्व राज्यपाल डेका ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया जिसमें जैविक एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों द्वारा उत्पादित सामग्रियों का प्रदर्शन किया गया था। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बीज विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, छत्तीसगढ़ कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, विशेषज्ञ, किसान, कृषि सखियाँ तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

टमाटर की खेती से किसान बन रहे आत्मनिर्भर

टमाटर की खेती से हो रहा लाभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शासन की किसान हितैषी योजनाओं एवं उद्यानिकी फसलों की असीम संभावनाओं के कारण अब राजनांदगांव जिले के किसान पारंपरिक फसलों के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों की ओर तेजी से अग्रसर हो रहे हैं। इसी कड़ी में विकासखण्ड राजनांदगांव के ग्राम गातापारखुर्द के प्रगतिशील किसान सुरेश सिन्हा ने आधुनिक पद्धति से पॉलीहाउस में टमाटर की खेती कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उन्होंने टमाटर की 'माल्या वैरायटी' की फसल लगाकर लगभग 2 लाख 35 हजार रूपए का लाभ अर्जित किया है।

सिन्हा ने बताया कि पॉलीहाउस में उपयुक्त तापमान बनाए रखते हुए मल्चिंग विधि का उपयोग किया गया, जिससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों में वृद्धि हुई। टमाटर की बाजार में अच्छी मांग होने से प्रति क्विंटल 700 से 800 रूपए की दर प्राप्त हुई। यहां उत्पादित टमाटर कोरबा, कोलकाता, उत्तर प्रदेश, ओडिशा सहित स्थानीय बाजारों में भी भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत संरक्षित खेती के लिए पॉलीहाउस निर्माण हेतु 17 लाख रूपए का शासन द्वारा अनुदान प्राप्त हुआ। पॉलीहाउस की कुल लागत 34 लाख रूपए रही। इसके अतिरिक्त पैक हाउस निर्माण हेतु 2 लाख रूपए का अनुदान तथा दवाई छिड़काव के लिए स्ट्रिप मशीन पर 50 प्रतिशत अनुदान शासन द्वारा प्रदान किया गया।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से बिल हुआ शून्य

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ग्रामीण अंचलों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिख रही है। इस योजना से लाभान्वित होकर अब डोंगरगांव विकासखण्ड के ग्राम खुज्जी के सरपंच अजय कुमार पंसारी का घर सौर ऊर्जा से जगमगा रहा है। पंसारी ने अपने आवास में 3 किलोवॉट का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित किया है, जिससे उनका मासिक बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। पहले जहां उन्हें प्रतिमाह 1200 से 1500 रूपए तक का बिजली बिल चुकाना पड़ता था, वहीं अब यह पूरी तरह समाप्त हो गया है।

विद्युत विभाग के अनुसार, सौर ऊर्जा से उत्पादित अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजी जा रही है, जिसके बदले शासन द्वारा निर्धारित राशि लाभार्थी को प्रदान की जाती है। इससे न केवल घर की बिजली जरूरतें पूरी हो रही हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिल रहा है। पंसारी अब गांव के अन्य ग्रामीणों को भी इस योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनके प्रोत्साहन से कई ग्रामीण अपने घरों में रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण अंचलों में बार-बार बिजली बाधित होने की समस्या को दूर कर रही है और लोगों को आत्मनिर्भर बना रही है।

पंसारी ने योजना से लाभान्वित होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना वास्तव में ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त कदम है।

आबकारी विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को राजस्व लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश

मदिरा दुकानों की सतत् जांच और मदिरा व अन्य मादक पदार्थों के अवैध कारोबार संलिप्त लोगों के विरूद्ध करें कठोर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आबकारी विभाग की सचिव सह आबकारी आयुक्त आर. शंगीता ने आज नवा रायपुर स्थित कार्यालय में विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सभी जिलों, उड़नदस्ता, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड तथा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर सचिव सह आयुक्त ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित 12,500 करोड़ रूपए के राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति हेतु ठोस रणनीति अपनाने, दुकानवार समीक्षा करने और अनुशासन के साथ कार्य संपादन के निर्देश दिए।

सचिव सह आबकारी आयुक्त ने बैठक में राजस्व लक्ष्य की जिलेवार समीक्षा करते हुए जिन जिलों ने अक्टूबर माह तक लक्ष्य की प्राप्ति की है, उन्हें सतत् कार्य जारी रखने के निर्देश दिए गए। वहीं लक्ष्य से पीछे चल रहे जिलों को इसके कारणों की दुकानवार समीक्षा कर कमी की पूर्ति हेतु विस्तृत कार्य-योजना बनाकर तत्परता से अमल में लाने के निर्देश दिए गए।

शंगीता ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मदिरा दुकानों में उपभोक्ताओं की मांग के अनुसार मदिरा स्कंध का संधारण सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को सचेत किया कि इस बात का वह विशेष रूप से ध्यान रखें कि किसी भी स्थिति में कहीं भी निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर मदिरा का विक्रय न होने पाए। उन्होंने अधिकारियों को मदिरा दुकानों में नियम और अनुशासन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए। दुकानों में उपलब्ध मदिरा को नियमानुसार दरों सहित रैकों में प्रदर्शित करने कहा गया, ताकि उपभोक्ताओं को पारदर्शिता और सुविधा मिल सके।

सचिव सह आबकारी आयुक्त ने बैठक में अधिकारियों को इस बात की स्पष्ट हिदायत दी कि मदिरा में किसी प्रकार की मिलावट न होने पाए। इसके लिए सभी जिला अधिकारी सप्ताह में कम से कम दो दिन आकस्मिक निरीक्षण करने और वहां पाई गई अनियमितताओं पर तत्काल कार्रवाई और दोषी कर्मचारियों को तत्काल कार्यमुक्त कर ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, दुकानों में पेटीएम या अन्य कैशलेस भुगतान को बढ़ावा देने के लिए पृथक काउंटर की व्यवस्था के भी निर्देश दिए गए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा